RADIO MADHUBAN
107.8 FM

Thank You

Sunte raho muskurate raho...!





Get In Touch

Phone Number:
+91 9414092245

Email Address:
ramesh.s.khade@gmail.com

Website:
www.radiomadhuban.in

Location:
Shantivan, Abu Road, Raj.

Radio Madhuban
107.8 FM

Reports





20
25

POSITIVE CHANGE

ग्लोबल समिट - 2025

www.radiomadhuban.in

RADIO MADHUBAN 107.8 FM
POSITIVE CHANGE

रेडियो मधुबन आगंतुक सारांश (5 दिनों का विवरण)
ग्लोबल समिट के अवसर पर पाँच दिनों में कुल 400 से अधिक अतिथियों ने रेडियो मधुबन का दौरा किया। इनमें से 270 अतिथियों का नाम पंजीकृत किया गया, जबकि 216 से अधिक अतिथियों के इंटरव्यू रिकॉर्ड किए गए।

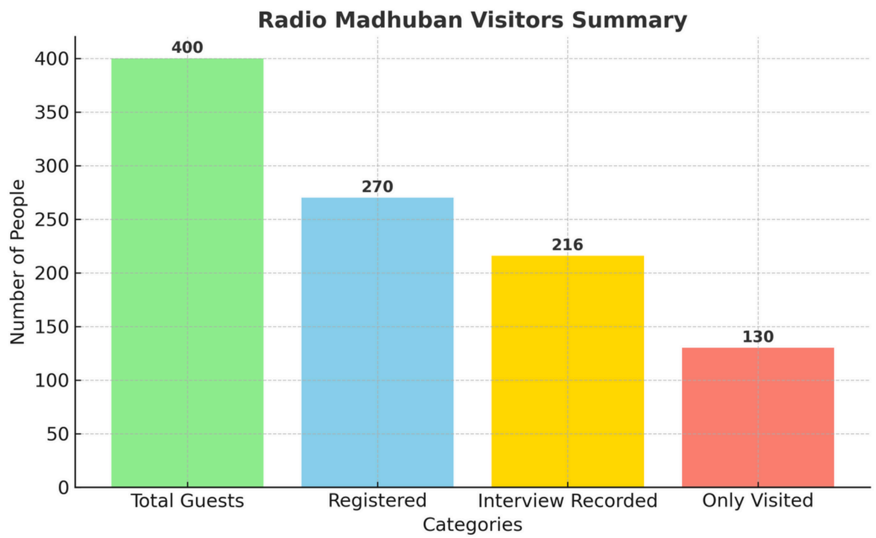
अन्य अतिथि केवल रेडियो स्टूडियो और प्रसारण क्षेत्र का भ्रमण करने आए। सभी आगंतुकों ने रेडियो की सेवाओं, वातावरण, अनुशासन और राजयोग आधारित कार्यप्रणाली की प्रशंसा की।

यह आयोजन ब्रह्माकुमारीज़ की आध्यात्मिकता और मीडिया सेवा का अद्भुत संगम रहा, जहाँ देश-विदेश से आए प्रतिनिधियों ने अपने अनुभव सांझा किए और भविष्य में पुनः आने की इच्छा व्यक्त की।

मुख्य बिंदु:

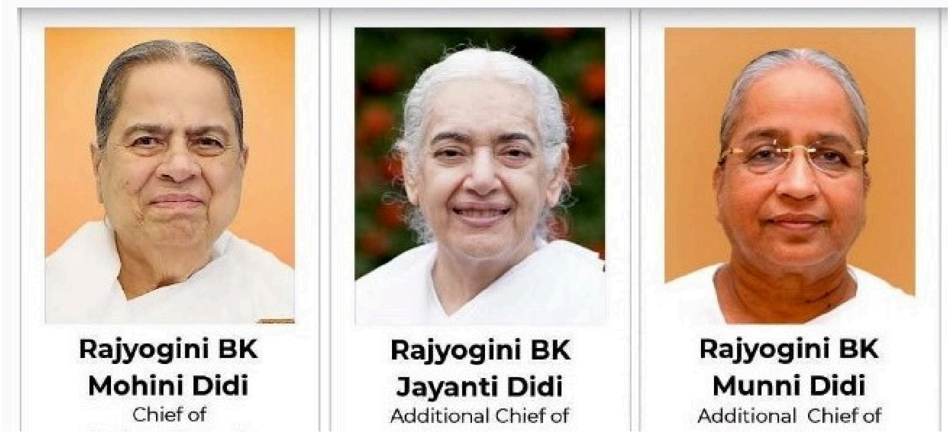
- कुल आगंतुक: 400+
- साक्षात्कार रिकॉर्ड: 216

रेडियो मधुबन की इस सेवा से लोगों को आत्मिक शांति और प्रेरणा मिली।



RADIO MADHUBAN 107.8 FM
POSITIVE CHANGE

ग्लोबल समिट 2025 वास्तव में एक ऐसा अध्यात्मिक पर्व था जिसने यह साबित कर दिया कि "जहाँ विश्वास है, वहाँ एकता है, और जहाँ एकता है, वहीं से आरंभ होता है – नया विश्व, सतत भविष्य।"



ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान द्वारा आयोजित यह सम्मेलन केवल विचारों का संगम नहीं था, बल्कि यह आत्मिक एकता और वैश्विक सद्भाव का जीवंत अनुभव था। मंच से विभिन्न वक्ताओं ने इस बात पर प्रकाश डाला कि भौतिक प्रगति के साथ-साथ मानवता की नैतिक और आध्यात्मिक उन्नति भी उतनी ही आवश्यक है।
राजयोग की साधना, सकारात्मक चिंतन, और निःस्वार्थ सेवा भावना के माध्यम से कैसे एक सतत और सामंजस्यपूर्ण भविष्य का निर्माण किया जा सकता है, यह संदेश पूरे सम्मेलन में गूंजता रहा।

शांतिवन का वातावरण उस समय जैसे विश्व परिवार की एकता का प्रतीक बन गया था — जहाँ धर्म, भाषा और देश की सीमाएँ विलीन होकर केवल मानवता का संदेश दे रही थीं।

RADIO MADHUBAN 107.8 FM

POSITIVE CHANGE



रेडियो मधुबन में के. वी. दयाल जी का आगमन — वन पारिस्थितिकी तंत्र पर प्रेरक संवाद

रेडियो मधुबन में हाल ही में केरल से आए प्रसिद्ध पर्यावरण प्रेमी एवं "फॉरेस्ट मैन ऑफ केरल" के नाम से प्रसिद्ध के. वी. दयाल जी का स्वागत किया गया। उन्होंने आरजे रमेश के साथ एक विशेष कार्यक्रम में भाग लेते हुए वन पारिस्थितिकी तंत्र (Forest Ecological System) पर विस्तृत चर्चा की। दयाल जी ने बताया कि आज के समय में जंगल केवल पर्यावरण का हिस्सा नहीं, बल्कि मानव जीवन के अस्तित्व का आधार हैं। उन्होंने समझाया कि कैसे वनों की सुरक्षा और पुनर्वनीकरण (Reforestation) के माध्यम से हम जलवायु परिवर्तन जैसी वैश्विक समस्या से निपट सकते हैं। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने कई व्यावहारिक उदाहरणों के माध्यम से बताया कि किस प्रकार गांवों और समुदायों को शामिल करके वन संरक्षण के प्रयासों को सफल बनाया जा सकता है। उनका कहना था कि "यदि हर व्यक्ति अपने आसपास के पेड़ों को परिवार की तरह संभाले, तो पृथ्वी फिर से हरी-भरी हो सकती है।" दयाल जी ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि उन्होंने केरल के कई क्षेत्रों में सामुदायिक भागीदारी से हजारों पेड़ लगाए, और लोगों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया। उनकी पहल से कई स्थानों पर सूखे इलाके फिर से हरियाली से भर उठे।

रेडियो मधुबन के इस संवाद में उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे प्रकृति के रक्षक बनें, और "एक पेड़ – एक जीवन" के संकल्प के साथ आगे बढ़ें। कार्यक्रम का समापन आरजे रमेश ने इस संदेश के साथ किया कि –

"वनों की रक्षा, जीवन की रक्षा है। जब धरती मुस्कुराएगी, तभी मानवता भी मुस्कुराएगी।"



RADIO MADHUBAN 107.8 FM

POSITIVE CHANGE

विभिन्न राज्यों से पधारे अतिथियों का ग्लोबल समिट में अनुभव







ग्लोबल समिट 2025 में विभिन्न राज्यों से पधारे अतिथियों ने अपने अनुभव सांझा करते हुए कहा कि यहाँ आकर उन्हें अत्यंत खुशी और प्रेम का अनुभव हुआ। उन्होंने बताया कि इस पवित्र स्थल पर आकर आत्मिक शांति, सकारात्मक ऊर्जा और अपनत्व का अनुभव होता है, जो जीवन को सार्थक और प्रेरणादायक बनाता है। अतिथियों ने अपनी भावना व्यक्त करते हुए कहा कि ग्लोबल समिट हर वर्ष आयोजित होना चाहिए, ताकि और अधिक लोग ब्रह्माकुमारीज़ के राजयोग, आत्मज्ञान और सेवा के संदेश से लाभान्वित हो सकें। उन्होंने यह भी कहा कि वे बार-बार इस समिट में आने के इच्छुक हैं और भविष्य में भी इसी तरह जुड़े रहेंगे। उनका मानना है कि इस प्रकार के आयोजन न केवल अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आध्यात्मिक एकता को बढ़ावा देते हैं, बल्कि लोगों के मन में सकारात्मक सोच और प्रेमभाव भी विकसित करते हैं।

अतिथियों ने अंत में धन्यवाद व्यक्त किया और कहा —

"हम यहीं आते रहेंगे, और इस दिव्य अनुभव को अपने जीवन और समाज में सांझा करते रहेंगे।"

RADIO MADHUBAN 107.8 FM
POSITIVE CHANGE

विभिन्न राज्यों से पधारे अतिथियों का ग्लोबल समिट में अनुभव









RADIO MADHUBAN 107.8 FM

POSITIVE CHANGE



ग्लोबल समिट 2025 में पद्मश्री डॉ. परशुराम खूणे और डॉ. आचार्य संजय के प्रेरक अनुभव

ब्रहमाकुमारीज़ शांतिवन में आयोजित ग्लोबल समिट 2025 में देश के प्रतिष्ठित समाजसेवी और विद्वान पद्मश्री डॉ. परशुराम खूणे ने अपने विचार साझा किए। उन्होंने कार्यक्रम के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करते हुए कहा कि यहाँ का वातावरण शांति, प्रेम और आध्यात्मिकता से परिपूर्ण है। उन्होंने कहा कि "ओम शांति" केवल एक मंत्र नहीं, बल्कि यह मानवता को जोड़ने वाला जीवन संदेश है, जिसे ब्रह्माकुमारी संस्थान ने विश्वभर में फैलाया है।

डॉ. खूणे ने यह भी कहा कि ऐसे आध्यात्मिक प्रयासों से भारत निश्चित ही "विश्व गुरु" के रूप में उभरेगा, क्योंकि यहाँ से शांति और एकता का संदेश पूरे विश्व में प्रसारित हो रहा है।

इसी अवसर पर चंद्रपुर से आए प्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य डॉ. आचार्य संजय ने भी अपने अनुभव सांझा करते हुए कहा कि शांतिवन सचमुच "ब्रह्म की भूमि" है। उन्होंने बताया कि यहाँ आकर उन्हें गहरी आध्यात्मिक अनुभूति हुई और यह स्थान उन्हें आंतरिक शांति और ऊर्जा प्रदान करता है।

दोनों ही अतिथियों ने कहा कि भारत केवल एक देश नहीं, बल्कि समस्त मानवता की जननी भूमि है — जहाँ से आत्मिक उन्नति और विश्व शांति का सच्चा मार्ग प्रारंभ होता है।




RADIO MADHUBAN 107.8 FM

POSITIVE CHANGE



GLOBAL SUMMIT 2025 SHANTIVAN

ब्रह्माकुमारीज़ शांतिवन में आयोजित ग्लोबल समिट 2025 का विषय था — "एकता और विश्वास : विश्व एकता की दिशा में"। इस कार्यक्रम में देश-विदेश से आए 6000 से अधिक अतिथियों ने भाग लिया।

सांझा हमारी रेडियो मधुबन टीम को हरियाणा से आए अनिल जी, बलवान जी और दलवीर जी से मुलाकात का अवसर मिला। उन्होंने अपने अनुभव सांझा करते हुए कहा कि यहाँ की सेवा भावना पूर्णत: नि:स्वार्थ है। सुबह प्राप्त होने वाला ज्ञान मन को शांति और सकारात्मकता का अद्भुत संबल प्रदान करता है। शांतिवन का यह वातावरण वास्तव में एकता, विश्वास और आत्मिक ऊर्जा से ओतप्रोत है।



RADIO MADHUBAN 107.8 FM

POSITIVE CHANGE

विभिन्न राज्यों से पधारे अतिथियों का ग्लोबल समिट में अनुभव

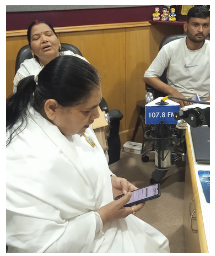














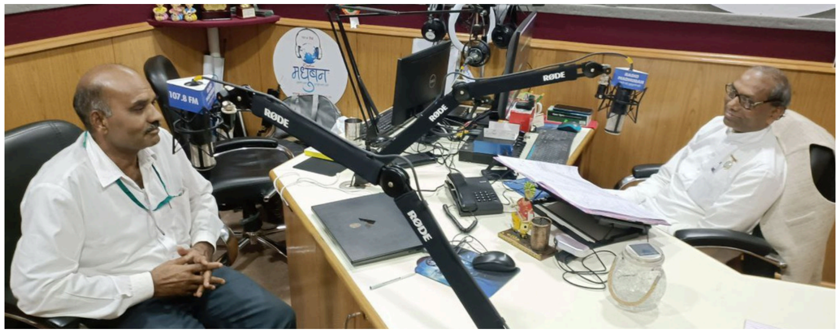
RADIO MADHUBAN 107.8 FM

POSITIVE CHANGE

विभिन्न राज्यों से पधारे अतिथियों का ग्लोबल समिट में अनुभव

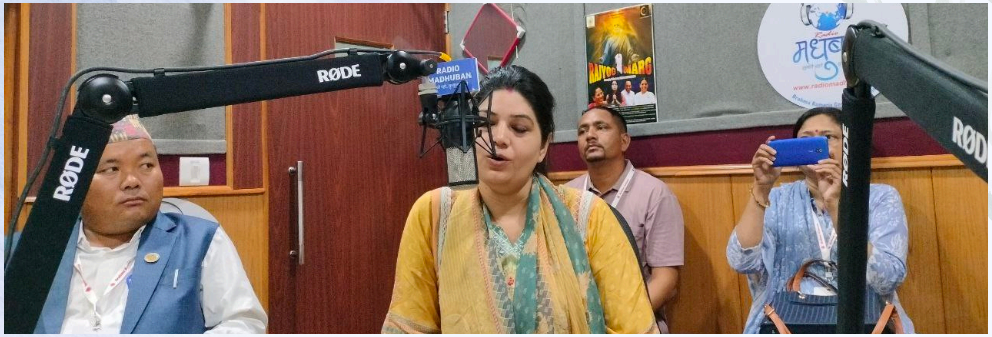






RADIO MADHUBAN 107.8 FM

POSITIVE CHANGE



GLOBAL SUMMIT 2025
ILA FOUNDATION

इला फाउंडेशन की भारती मंडोले जी ने भी अपने अनुभव सांझा किए। उन्होंने बताया कि वे महिलाओं के जीवन कौशल विकास और सामाजिक उत्थान के लिए लगातार कार्य कर रही हैं।

ग्लोबल समिट में अपने अनुभव को सांझा करते हुए उन्होंने कहा कि यह उनके जीवन का एक अद्भुत और प्रेरणादायक अनुभव रहा। विशेष रूप से जब उन्होंने शिवानी दीदी और अन्य वरिष्ठ वक्ताओं के व्याख्यान सुने, तो उनके भीतर नई ऊर्जा और सकारात्मक सोच का संचार हुआ। उन्होंने कहा कि यह सम्मेलन वास्तव में आत्मिक शक्ति, एकता और विश्वास का जीवंत उदाहरण है।



RADIO MADHUBAN 107.8 FM

POSITIVE CHANGE



ग्लोबल समिट 2025 में महिला सशक्तिकरण कार्यकर्ता सुजाता जी का प्रेरक अनुभव

ठाणे के घोडबंदर क्षेत्र में महिलाओं के सशक्तिकरण और स्वास्थ्य जागरूकता के क्षेत्र में कार्यरत सामाजिक कार्यकर्ता सुजाता जी को ब्रह्माकुमारीज़ शांतिवन में आयोजित ग्लोबल समिट 2025 में आमंत्रित किया गया।

सामाजिक सेवा के प्रति समर्पित सुजाता जी ने अपने अनुभव सांझा करते हुए कहा कि यह उनके जीवन का एक अद्वितीय और अविस्मरणीय अनुभव रहा। उन्होंने बताया कि शांतिवन का वातावरण शांति, सकारात्मकता और आत्मिक शक्ति से परिपूर्ण है। यहाँ आकर उन्होंने महसूस किया कि सेवा कार्य केवल बाहरी नहीं, बल्कि आंतरिक परिवर्तन से भी जुड़ा होता है।

सहज भाव से उन्होंने कहा — “मैं स्वयं को धन्य मानती हूँ कि मुझे इस पवित्र स्थान पर आने और इतने प्रेरक लोगों से मिलने का अवसर मिला। यहाँ आने के बाद मन में नई शक्ति और आशा का संचार हुआ है।”

ग्लोबल समिट में उनका यह अनुभव इस बात का प्रमाण है कि जब समाज सेवा में आध्यात्मिकता का समावेश होता है, तब सच्चे अर्थों में परिवर्तन और सशक्तिकरण संभव होता है।



RADIO MADHUBAN 107.8 FM

POSITIVE CHANGE

विभिन्न राज्यों से पधारे अतिथियों का ग्लोबल समिट में अनुभव







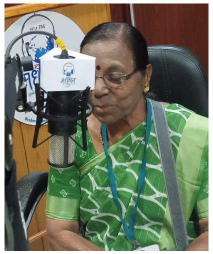
RADIO MADHUBAN 107.8 FM
POSITIVE CHANGE

विभिन्न राज्यों से पधारे अतिथियों का ग्लोबल समिट में अनुभव























RADIO MADHUBAN 107.8 FM
POSITIVE CHANGE



रेडियो मधुबन में कर्नाटक से आए समूह का प्रेरणादायक अनुभव









हाल ही में कर्नाटक से आए एक समूह ने रेडियो मधुबन का दौरा किया और वहाँ के आध्यात्मिक वातावरण का अनुभव किया। समूह के सदस्यों ने अपने अनुभव सांझा करते हुए कहा कि उन्होंने यहाँ आकर सच्ची खुशी और गहरी शांति का अनुभव किया।

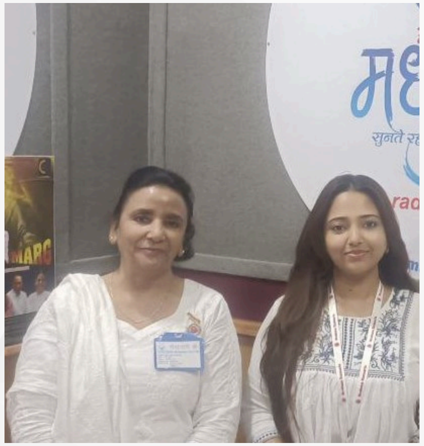
उन्होंने बताया कि रेडियो मधुबन के माध्यम से जो ईश्वरीय ज्ञान और सकारात्मक संदेश लोगों तक पहुँचाया जा रहा है, वह वास्तव में मन को शुद्ध करने वाला और आत्मा को जागृत करने वाला है। यहाँ का वातावरण उन्हें एक नई ऊर्जा और आत्मिक प्रसन्नता से भर गया।

समूह के सदस्यों ने कहा — “हमें यहाँ आकर ऐसा लगा मानो हम अपने घर में हैं, जहाँ प्रेम, सहयोग और शांति का वातावरण हर ओर फैला है।”

कार्यक्रम के अंत में उन्होंने रेडियो मधुबन टीम के प्रति आभार व्यक्त किया और कहा कि वे इस अनुभव को अपने साथ लेकर जाएँगे ताकि दूसरों को भी ईश्वरीय ज्ञान और शांति का संदेश पहुँचा सकें।

RADIO MADHUBAN 107.8 FM
POSITIVE CHANGE

रेडियो मधुबन पर बीके सिस्टर पूर्णिमा का प्रेरणादायक अनुभव और मधुर प्रस्तुति





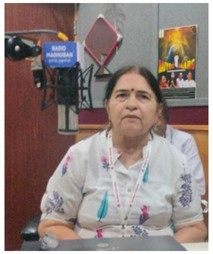
रेडियो मधुबन के विशेष कार्यक्रम में गायिका और आईटी प्रोफेशनल बीके सिस्टर पूर्णिमा ने अपनी आध्यात्मिक यात्रा और संगीत साधना को सांझा किया। उन्होंने कार्यक्रम के दौरान दो कर्नाटक शैली के गीत और एक भजन प्रस्तुत किया, जिसने श्रोताओं के मन को गहराई से स्पर्श किया।

सिस्टर पूर्णिमा न केवल अपने कर्नाटक संगीत में निपुण हैं, बल्कि अपने पेशेवर जीवन में भी उत्कृष्ट योगदान दे रही हैं। उन्होंने बताया कि उनके जीवन में यह परिवर्तन तब आया जब उनकी माता ने उन्हें ब्रह्माकुमारीज़ से जुड़ने की प्रेरणा दी।

RADIO MADHUBAN 107.8 FM
POSITIVE CHANGE

विभिन्न राज्यों से पधारे अतिथियों का ग्लोबल समिट में अनुभव













RADIO MADHUBAN 107.8 FM
POSITIVE CHANGE



विभिन्न राज्यों से पधारे अतिथियों का ग्लोबल समिट में अनुभव



RADIO MADHUBAN 107.8 FM

अपने संगीत और सेवा के माध्यम से शांति, प्रेम और सकारात्मकता का संदेश





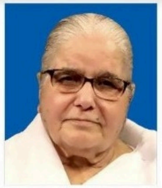
उन्होंने भावनाओं से भरे शब्दों में कहा "जब मैं पहली बार ब्रह्माकुमारीज़ के शांतिवन आई, तो ऐसा लगा मानो स्वर्ग धरती पर उतर आया हो। यहाँ जो ईश्वरीय ज्ञान मुझे मिला, उसने मेरे भीतर के सारे अंधकार और पापों को मिटा दिया। अब मैं स्वयं को एक निर्मल और पवित्र आत्मा के रूप में अनुभव करती हूँ। यह सब मेरी माँ के आशीर्वाद से संभव हुआ है।"
कार्यक्रम के अंत में उन्होंने ब्रह्माकुमारी परिवार और रेडियो मधुबन टीम का आभार व्यक्त किया और कहा कि वे अपने संगीत और सेवा के माध्यम से शांति, प्रेम और सकारात्मकता का संदेश आगे भी फैलाती रहेंगी।

RADIO MADHUBAN 107.8 FM
POSITIVE CHANGE

ग्लोबल समिट 2025 : "एकता और विश्वास – प्रेरणास्रोत सतत भविष्य की ओर"



Rajyogini BK Sudesh Didi
Joint Chief of Brahma Kumaris



Rajyogini BK Santosh Didi
Joint Chief of Brahma Kumaris



Rajyogini BK Shashi Didi
Joint Chief of Brahma Kumaris



Rajyogi BK Karuna Bhai
Additional Secretary General of Brahma Kumaris



Rajyogi Dr. BK Mruthyunjaya
Additional Secretary General of Brahma Kumaris

माउंट आबू के शांत और पवित्र वातावरण में स्थित ब्रह्माकुमारीज़ शांतिवन ने एक बार फिर अपनी आध्यात्मिक पहचान को विश्व स्तर पर सशक्त किया। यहाँ आयोजित ग्लोबल समिट 2025 का विषय था – "एकता और विश्वास : प्रेरणास्रोत सतत भविष्य की ओर"। इस अद्वितीय आयोजन में देश और विदेश से आए 6000 से अधिक विशिष्ट अतिथियों ने सहभागिता की।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे श्री राम मेघवाल, माननीय मुख्य न्यायाधीश (मध्य प्रदेश), तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में श्री लुम्बाराम जी, विधायक, और अन्य कई प्रमुख सामाजिक, प्रशासनिक एवं धार्मिक हस्तियाँ। सभी ने मिलकर इस बात पर बल दिया कि आज की दुनिया में यदि स्थायी शांति और विकास चाहिए, तो विश्वास और एकता ही उसका मूल आधार हैं।



October 2025 Abu - Sirohi

RADIO MADHUBAN 107.8 FM
POSITIVE CHANGE

स्वामी कमलानंद जी का प्रेरणादायक अनुभव – "चलों गाँव की ओर" अभियान के साथ आत्मउन्नति का संदेश



ग्लोबल समिट 2025 के अवसर पर स्वामी कमलानंद जी ने अपने जीवन का प्रेरक अनुभव रेडियो मधुबन पर सांझा किया। उन्होंने बताया कि वे पहले भारतीय सेना में कार्यरत थे। देश सेवा के बाद उन्होंने निश्चय किया कि अब जीवन का उद्देश्य समाज सेवा और आत्मिक उत्थान होना चाहिए।

स्वामी जी का जीवन तीन मुख्य सिद्धांतों पर आधारित है –

पहला: राजयोग का अभ्यास कर स्वयं को जानना

दूसरा: आत्मिक शक्ति का विकास कर समाज में शांति फैलाना

तीसरा: जनसेवा के माध्यम से मानवता को सशक्त बनाना

सेना से सेवानिवृत्ति के बाद उन्होंने राजयोग के अभ्यास द्वारा आत्मज्ञान की गहराई को अनुभव किया। इसके बाद उन्होंने ब्रह्माकुमारियों से जुड़कर अनेक सेवाओं में सहयोग दिया। आत्मिक उन्नति के साथ-साथ उन्होंने लेखन को भी माध्यम बनाया और अब तक 60 से अधिक पुस्तकों का लेखन कर चुके हैं।

वर्तमान में स्वामी कमलानंद जी "चलो गाँव की ओर" अभियान चला रहे हैं, जिसका उद्देश्य है – गाँवों में शिक्षा, नैतिकता, आध्यात्मिकता और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देना। उनका मानना है कि सच्चा परिवर्तन तभी संभव है जब हम स्वयं को पहचानें, अपने विचारों को शुद्ध करें और समाज में प्रेम व सहयोग का वातावरण बनाएं। अंत में उन्होंने कहा –

"राजयोग केवल ध्यान नहीं, यह आत्मा के राज्य का विज्ञान है। जब हम स्वयं को जान लेते हैं, तभी समाज को बेहतर बना सकते हैं।"

RADIO MADHUBAN 107.8 FM

POSITIVE CHANGE

स्वामी भास्कर नायडू जी का प्रेरणादायक अनुभव – ग्लोबल समिट 2025



ग्लोबल समिट 2025 के अवसर पर पुट्टापर्थी श्री सत्य साईबाबा संस्थान से पधारे स्वामी भास्कर नायडू जी ने अपने अनोखे विचार और अनुभव रेडियो मधुबन पर सांझा किए। उन्होंने कहा कि उनका जीवन उद्देश्य प्रकृति और आध्यात्मिकता का समन्वय स्थापित करना है।
स्वामी जी ने बड़े ही सुंदर ढंग से 'FOREST' शब्द का अर्थ बताया —
F – Forest, O – Oxygen, R – Rainfall, E – Ecosystem, S – Soil, T – Temperature.
उन्होंने कहा कि जंगल केवल पेड़ों का समूह नहीं, बल्कि जीवन का आधार हैं ये हमें ऑक्सीजन, वर्षा, पर्यावरणीय संतुलन और शुद्ध वायु देते हैं। स्वामी जी प्रतिदिन प्रातःकाल 3 बजे से 6 बजे तक ध्यान करते हैं और उसके बाद स्कूलों में जाकर विद्यार्थियों को वन संरक्षण और पर्यावरण के महत्व के बारे में शिक्षित करते हैं।



"सत्यं, धर्मं, प्रेम, अहिंसा और सेवा — यही सच्चे मानव के लक्षण हैं। जो इन गुणों का पालन नहीं करता, वह मानव नहीं, पशु के समान है।"
स्वामी भास्कर नायडू जी ने कहा कि जब वे ब्रह्माकुमारीज़ के शांतिवन में आए, तो उन्हें अत्यधिक शांति, पवित्रता और आनंद की अनुभूति हुई। "यहाँ सभी राजयोग का अभ्यास करते हैं, और यही सच्चे जीवन का मार्ग है," उन्होंने कहा। उनका संदेश था —
"प्रकृति की रक्षा करो, मन को शुद्ध करो और ध्यान को जीवन का हिस्सा बनाओ — यही सच्चा मानव धर्म है।"

October 2025 Abu - Sirohi

RADIO MADHUBAN 107.8 FM

POSITIVE CHANGE











शांतिवन में आध्यात्मिक अनुभूति सांझा करते वरिष्ठ नागरिकों के अनुभव

ग्लोबल समिट के दौरान कई वरिष्ठ नागरिकों ने अपने अनमोल आध्यात्मिक अनुभव सांझा किए। इनमें पवार जी, जो एक वरिष्ठ नागरिक हैं, ने कहा कि यहाँ आकर उन्हें आत्मिक शांति और ईश्वरीय निकटता का अनुभव हुआ। उन्होंने बताया कि ब्रह्माकुमारीज़ के ज्ञान ने उनके जीवन में नई दिशा और स्थिरता प्रदान की है।

इसी क्रम में दिलीप तोरे जी, जो पूर्व में शिक्षा अधिकारी रहे हैं, ने अपने अनुभव सांझा करते हुए कहा कि सेवा निवृत्ति के बाद उन्होंने अपने जीवन का सच्चा उद्देश्य — आत्मिक सेवा और ध्यान साधना — को पाया। उन्होंने कहा कि अब वे अपने हर दिन को शांति और संतोष के साथ व्यतीत कर रहे हैं।

RADIO MADHUBAN 107.8 FM
POSITIVE CHANGE











वहीं सुरेखा जी, जो एक सरकारी सेविका हैं, ने भी अपने भाव व्यक्त करते हुए कहा कि उन्होंने जब बाबा के कमरे में ध्यान लगाया, तो उन्हें वहाँ अत्यंत ऊर्जावान और दिव्य सकारात्मक शक्ति का अनुभव हुआ। उन्होंने कहा कि ऐसा लगा मानो सम्पूर्ण वातावरण ईश्वरीय प्रकाश और शांति से भरा हुआ हो।

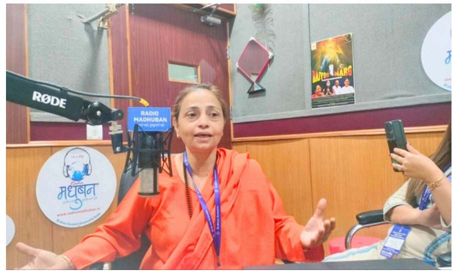
इन सभी अनुभवों ने यह स्पष्ट किया कि ब्रह्माकुमारीज़ शांतिवन केवल एक स्थान नहीं, बल्कि एक जीवंत आध्यात्मिक ऊर्जा केंद्र है

October 2025 Abu - Sirohi

RADIO MADHUBAN 107.8 FM
POSITIVE CHANGE

साध्वी माँ कल्पना अरुंधति जी का प्रेरणादायक अनुभव – ग्लोबल समिट 2025





ग्लोबल समिट के दौरान हुई एक विशेष मुलाकात में साध्वी माँ कल्पना अरुंधति जी ने अपने जीवन का गहन और प्रेरणादायक अनुभव सांझा किया। उन्होंने बताया कि उनके पिताजी ही उनके जीवन में अध्यात्म का बीज बोने वाले थे। उनके पिताजी का सपना था — "भारत फिर से विश्व गुरु बने।" वे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) से जुड़े हुए थे और देशहित में कार्य करते थे।

साध्वी माँ ने बताया कि उन्होंने अपने पिता के इस सपने को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया और अपने जीवन को सच्चे अर्थों में सफल और सार्थक बनाने के लिए ब्रह्माकुमारीज़ से जुड़ीं। उन्होंने कहा —

"यह वह स्थान है जहाँ स्वयं भगवान हमें ब्रह्मा के माध्यम से पढ़ाते हैं। यहाँ आना अर्थात् ब्रह्म से जुड़ना है।"

उन्होंने यह भी कहा कि राजयोग एक ऐसी विधा है जो मन को स्थिर करती है, जीवन को सुंदर बनाती है और हर कार्य में सफलता का मार्ग दिखाती है।

साध्वी माँ कल्पना अरुंधति जी ने सभी से आग्रह किया कि वे भी राजयोग का अभ्यास करें, अपने भीतर की शक्ति को पहचानें और जीवन को सुख, शांति और सफलता से भर दें।

अंत में उन्होंने कहा —

"जो स्वयं को जानता है, वही सच्चे अर्थों में ईश्वर को पहचान सकता है।"

राजयोग एक ऐसी विधा है जो मन को स्थिर करती है, जीवन को सुंदर बनाती है

RADIO MADHUBAN 107.8 FM
POSITIVE CHANGE

महेश सालुंखे जी का अनुभव – ग्लोबल समिट 2025





मुंबई, महाराष्ट्र से पधारे महेश सालुंखे जी, जो एक ऑटोमोशन कंपनी चलाते हैं और साथ ही पानी फिल्टर निर्माण एवं सेवा कार्य से जुड़े हैं, ने अपने सुंदर अनुभव सांझा किए। वे राजू भाई के संपर्क में आकर ब्रह्माकुमारीज़ के सेवाकार्य से जुड़े। उन्होंने बताया कि यह उनका पहला अवसर है जब वे ग्लोबल समिट में शांतिवन, पधारे हैं।

महेश जी ने कहा कि वे स्वयं मैराथन का आयोजन करते हैं और उसमें भाग भी लेते हैं। उनका मानना है कि सेवा केवल समाज के लिए ही नहीं, बल्कि स्वयं के विकास और आत्म कल्याण के लिए भी आवश्यक है। उन्होंने कहा कि "ब्रह्माकुमारी परिवार के साथ मिलकर सेवा करना एक सौभाग्य है, लेकिन साथ ही हमें अपने स्वास्थ्य और आत्मिक उन्नति पर भी काम करना चाहिए।"

उन्होंने श्रोताओं को संदेश दिया कि हर व्यक्ति को अपनी सेहत और आध्यात्मिकता पर विशेष ध्यान देना चाहिए। शरीर और मन — दोनों के बीच संतुलन ही सच्चे सुख का आधार है।

अंत में उन्होंने कहा —

"समय निकालिए, अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखिए और आध्यात्मिकता को जीवन का हिस्सा बनाइए — यही जीवन की सच्ची दौड़ है।"

हर व्यक्ति को अपनी सेहत और आध्यात्मिकता पर विशेष ध्यान देना चाहिए।

RADIO MADHUBAN 107.8 FM
POSITIVE CHANGE

"जब मन ईश्वर से जुड़ जाता है, तब संसार की कोई भी नकारात्मक शक्ति हमें छू नहीं सकती।"

REAL STORY

यह कहानी केवल एक व्यक्ति के बचने की नहीं, बल्कि ईश्वरीय संरक्षण, विश्वास और योग की वास्तविक शक्ति की जीती-जागती मिसाल है।

यह एक सच्ची और प्रेरणादायक कहानी है बाबूभाई की, जो मूलतः भारत के हैं और लंबे समय तक दक्षिण अफ्रीका में एक निर्माण व्यवसाय *(Builder)* के रूप में कार्यरत रहे। उनका जीवन सामान्य रूप से सफल चल रहा था, परंतु व्यावसायिक दुनिया में अक्सर जैसी परिस्थितियाँ बनती हैं, वैसी ही एक गलतफहमी ने उनके जीवन की दिशा बदल दी। व्यापार से जीवन-मरण तक की स्थिति बाबूभाई का एक साझेदार *(Partner)* था। कुछ दिनों बाद दोनों के बीच किसी कारणवश भ्रम और विवाद उत्पन्न हो गया। यह विवाद इतना गहरा हो गया कि उनके साझेदार के मन में नकारात्मकता और प्रतिशोध की भावना उत्पन्न हो गई।



उसी समय बाबूभाई ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा सिखाए गए राजयोग ध्यान *(Rajyoga Meditation)* का अभ्यास नियमित रूप से करने लगे थे। ध्यान और ज्ञान के माध्यम से उन्होंने मन की शांति, क्षमा और ईश्वर पर विश्वास को अपने जीवन में उतार लिया था।

वह दिन जिसने सब कुछ बदल दिया

एक दिन बाबूभाई एक व्यावसायिक मीटिंग में थे। उसी समय उनके साझेदार ने चार शूटरों को भेजा ताकि बाबूभाई को समाप्त किया जा सके। ये लोग मीटिंग के स्थान पर पहुँचे और ठीक उसी समय — जब सब कुछ घटने वाला था — बाबूभाई को एक आकस्मिक फोन कॉल आया।



RADIO MADHUBAN 107.8 FM
POSITIVE CHANGE

वह कॉल जैसे किसी ईश्वरीय योजना का हिस्सा था। उन्होंने बिना किसी विशेष कारण के, सिर्फ़ मन में उठे एक संकेत के आधार पर मीटिंग से बाहर जाने का निर्णय लिया। कुछ ही मिनटों बाद वही चार लोग अंदर पहुँचे और अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। मीटिंग में मौजूद कई लोग घायल हुए, कुछ ने अपनी जान भी गंवाई।

ईश्वरीय चमत्कार का क्षण

गोलीबारी के बाद जब वे शूटर बाबूभाई को खोजने निकले, तो वे लिफ्ट के सामने जा पहुँचे — और ठीक उसी समय बाबूभाई वहीं खड़े थे!

परंतु चमत्कार यह हुआ कि वे चारों लोग उन्हें देख ही नहीं पाए।

REAL STORY

बाबूभाई के अनुसार, "मैं उनके सामने था, परंतु ऐसा लगा जैसे किसी अदृश्य शक्ति ने मुझे ढक लिया हो। वे मुझे देखे बिना वहाँ से निकल गए।"

उस क्षण को याद करते हुए बाबूभाई कहते हैं —

"मुझे पूरी तरह अनुभव हुआ कि ईश्वर स्वयं मेरे रक्षक बन गए थे। यह केवल राजयोग ध्यान की शक्ति थी, जिसने मुझे मृत्यु के द्वार से वापस लौटा दिया।"

जीवन में परिवर्तन

इस घटना के बाद बाबूभाई ने अपने जीवन का मार्ग पूरी तरह ईश्वरीय सेवा और आत्मिक जागृति की ओर मोड़ दिया। वे कहते हैं —

"मैं अब हर पल यह महसूस करता हूँ कि परमात्मा हमारे साथ हैं, बस हमें अपने मन को शांत कर, विश्वास और योग की शक्ति से उन्हें अनुभव करना होता है।"

आज बाबूभाई ब्रह्माकुमारीज़ परिवार के एक सक्रिय सदस्य हैं और जहाँ भी जाते हैं, वहाँ अपने इस अद्भुत अनुभव को साझा करते हैं ताकि लोग यह समझ सकें कि —

"जब मन ईश्वर से जुड़ जाता है, तब संसार की कोई भी नकारात्मक शक्ति हमें छू नहीं सकती।"

यह कहानी केवल एक व्यक्ति के बचने की नहीं, बल्कि ईश्वरीय संरक्षण, विश्वास और योग की वास्तविक शक्ति की जीती-जागती मिसाल है।



RADIO MADHUBAN 107.8 FM
POSITIVE CHANGE

नोएडा से पधारे श्याम जी और उनकी पत्नी सुजाता जी का अनुभव

"यहाँ आकर ऐसा लगता है जैसे जीवन को नई दिशा और नया उद्देश्य मिल गया है।"





नोएडा से पधारे श्याम जी और उनकी पत्नी सुजाता जी ने अपने सुंदर अनुभव रेडियो मधुबन पर सांझा करते हुए बताया कि ग्लोबल समिट में आकर उनके जीवन में एक अद्भुत परिवर्तन आया है। उन्होंने कहा कि पहले उनका बहुत सारा समय मोबाइल और नकारात्मक विचारों में व्यर्थ चला जाता था, जिससे मन में बेचैनी और तनाव बढ़ता जा रहा था।

लेकिन यहाँ आने के बाद उन्हें यह समझ में आया कि जीवन जीने की सच्ची कला क्या होती है। राजयोग मेडिटेशन और ब्रह्माकुमारी बहनों के स्नेहपूर्ण मार्गदर्शन से उनके मन में शांति, सकारात्मकता और आत्मविश्वास का संचार हुआ है।

श्याम जी और सुजाता जी ने भावनात्मक स्वर में कहा कि अब वे अपने जीवन को सकारात्मक सोच, नियमित मेडिटेशन और ईश्वरीय स्मृति के साथ जीना सीख रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि यह अनुभव उनके लिए जीवन का एक आध्यात्मिक मोड़ बन गया है।

अंत में उन्होंने दिल से शिव बाबा और सभी दीदियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा —

"यहाँ आकर ऐसा लगता है जैसे जीवन को नई दिशा और नया उद्देश्य मिल गया है।"

यहाँ आकर उन्हें ऐसा लगा मानो वे सचमुच भगवान के घर में पहुँच गए हों।

RADIO MADHUBAN 107.8 FM
POSITIVE CHANGE

मुंबई से पधारे सतीश राम नायक जी का अनुभव

यहाँ की व्यवस्था अत्यंत अनुशासित, सात्विक और स्नेह से परिपूर्ण है



मुंबई से पधारे सतीश राम नायक जी ने ग्लोबल समिट में अपने प्रेरणादायक अनुभव साझा करते हुए बताया कि उनका ब्रह्माकुमारियों से जुड़ाव उनके जीवन का एक अमूल्य वरदान है। उन्होंने कहा कि जब से वे ईश्वरीय परिवार के संपर्क में आए हैं, तब से उनके जीवन में शांति, सकारात्मकता और आध्यात्मिकता का सुंदर समावेश हुआ है।

सतीश जी ने बताया कि यहाँ शिव परमात्मा की भक्ति, आत्मिक प्रेम और स्नेहपूर्ण वातावरण ने उनके हृदय को गहराई से स्पर्श किया है। शांतिवन जैसा यह स्थल उन्हें सदैव ईश्वरीय उपस्थिति का अनुभव कराता है। उन्होंने कहा कि यहाँ की व्यवस्था अत्यंत अनुशासित, सात्विक और स्नेह से परिपूर्ण है, जो प्रत्येक आगंतुक के मन में अपनत्व और परिवार जैसा भाव उत्पन्न करती है।

उन्होंने आगे कहा कि यहाँ आने से मन को अद्भुत शांति और स्थिरता मिलती है, और यह स्थान उन्हें बार-बार आने के लिए प्रेरित करता है ताकि वे राजयोग के गहरे अनुभव प्राप्त कर सकें और अपने जीवन को और अधिक पवित्र, सरल और सुखमय बना सकें।
“यह स्थान केवल एक आश्रम नहीं, बल्कि आत्मा के जागरण का केंद्र है।” — सतीश राम नायक जी

RADIO MADHUBAN 107.8 FM
POSITIVE CHANGE

ग्लोबल समिट 2025 में रोहतक से आए विजेंद्र जी और अमित कुमार का प्रेरणादायक अनुभव

रोहतक से आए विजेंद्र जी और अमित कुमार जी ने ब्रह्माकुमारीज़ के ग्लोबल समिट 2025 में भाग लेकर अपने जीवन के नए अध्याय की शुरुआत की।
विजेंद्र जी, जो डाक विभाग से सेवानिवृत्त हैं, ने बताया कि सेवा निवृत्ति के बाद उन्होंने रोहतक के बिरजू महाराज अखाड़े से जुड़कर वहाँ सेवा कार्य प्रारंभ किया है। वे वहाँ आने वाले भक्तजनों से मिलते हैं, उनका मार्गदर्शन करते हैं और जीवन में आध्यात्मिकता को अपनाने की प्रेरणा देते हैं।

वहीं अमित कुमार जी, जो रोहतक सब्ज़ी मंडी में थोक व्यवसायी *(होलसेलर)* हैं, ने भी सांझा किया कि व्यवसाय के बीच अब वे जीवन के आध्यात्मिक संतुलन को महत्व देने लगे हैं।
दोनों ने कहा कि ग्लोबल समिट में आकर उन्होंने अपने भीतर आत्मिक शांति, सकारात्मक ऊर्जा और ईश्वरीय शक्ति का अनुभव किया। उन्होंने बताया कि अब वे राजयोग ध्यान का नियमित अभ्यास कर रहे हैं और आध्यात्मिक ज्ञान का मनन एवं चिंतन उनके जीवन का अभिन्न हिस्सा बन गया है।
विजेंद्र जी और अमित कुमार जी दोनों ने एक स्वर में कहा —
“शांतिवन में मिला यह अनुभव हमारे जीवन की दिशा बदलने वाला रहा। अब हम जानते हैं कि सच्ची शांति और सुख केवल ईश्वर से जुड़ाव में ही है।”







RADIO MADHUBAN 107.8 FM
POSITIVE CHANGE

पद्मश्री भीकू रामजी इदाते और सामाजिक कार्यकर्ता संपदा जी का शांतिवन में आध्यात्मिक अनुभव

महाराष्ट्र के प्रसिद्ध सामाजिक कार्यकर्ता पद्मश्री भीकू रामजी इदाते जी, जिन्हें वर्ष 2023 में पद्मश्री सम्मान से अलंकृत किया गया, ने हाल ही में ब्रह्माकुमारीज़ के शांतिवन, माउंट आबू में आयोजित ग्लोबल समिट में भाग लिया।

इदाते जी विशेष रूप से घुमंतू और विमुक्त समुदायों के उत्थान तथा उनके सामाजिक, शैक्षणिक और आर्थिक कल्याण के लिए अपने सतत प्रयासों के लिए जाने जाते हैं।

कार्यक्रम के दौरान उन्होंने अपने आध्यात्मिक अनुभव सांझा करते हुए कहा कि शांतिवन का वातावरण उन्हें आत्मा और परमात्मा के गहरे संबंध की अनुभूति कराता है। उन्होंने कहा कि यहाँ की शांति, सकारात्मक ऊर्जा और आध्यात्मिक ज्ञान ने उनके भीतर एक नया सुकून और आत्मिक स्थिरता उत्पन्न की है।

उन्होंने भावनाओं से कहा "मुझे ऐसा लगा मानो वर्षों से जो मन के भीतर हलचल थी, वह यहाँ आकर शांत हो गई। यह स्थान केवल ध्यान का केंद्र नहीं, बल्कि ईश्वरीय उपस्थिति का सजीव अनुभव है। अब मैं इस ध्यान और ज्ञान को अपने जीवन में अपनाऊँगा तथा समाज के अन्य लोगों तक भी पहुँचाऊँगा ताकि वे भी इस आत्मिक शांति का अनुभव कर सकें।"

इदाते जी ने यह भी बताया कि जिस प्रकार उन्होंने वर्षों तक समाज के उपेक्षित वर्गों की सेवा की है, उसी तरह अब वे आध्यात्मिक सेवा और आत्मिक जागृति को भी अपने जीवन का उद्देश्य बनाएँगे।



RADIO MADHUBAN 107.8 FM
POSITIVE CHANGE



मध्यप्रदेश से पधारे अतिथियों का ग्लोबल समिट में दिव्य अनुभव



सभी अतिथियों ने एक स्वर में कहा कि वे आगे भी बार-बार यहाँ आने की कामना रखते हैं

ग्लोबल समिट 2025 में मध्यप्रदेश से आए अतिथियों ने अपने हृदयस्पर्शी अनुभव सांझा करते हुए कहा कि यहाँ आकर उन्हें ऐसा लगा मानो वे सचमुच भगवान के घर में पहुँच गए हों। उन्होंने इस अवसर को अपने जीवन का अत्यंत सौभाग्य बताया और कहा कि इस पवित्र स्थल की शांति, पवित्रता और आत्मीय वातावरण ने उनके मन को गहराई से छू लिया है।

अतिथियों ने विशेष रूप से अपने बी.के. सेंटर की दीदी का दिल से आभार व्यक्त किया, जिन्होंने उन्हें इस सुंदर और प्रेरणादायक यात्रा का अवसर प्रदान किया। उन्होंने कहा कि यहाँ का हर पल आत्मा को ऊर्जावान और मन को प्रसन्नता से भर देता है।



यहाँ से जीवन में सकारात्मक सोच और नई दिशा मिलती है।

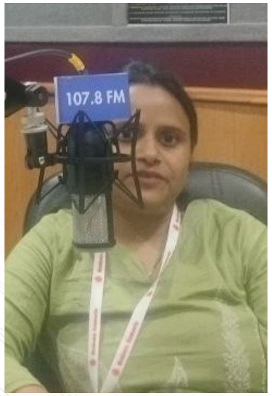
इस अवसर पर जेल अधिकारी विजय सिंह जी और उनकी धर्मपत्नी माया जी ने भी अपने अनुभव सांझा करते हुए कहा कि उन्हें यहाँ आकर अपार शांति और दिव्य अनुभूति मिली। उन्होंने बताया कि यह स्थान न केवल आत्मिक उत्थान का केंद्र है बल्कि यहाँ से जीवन में सकारात्मक सोच और नई दिशा मिलती है।

दोनों ने और सभी अतिथियों ने एक स्वर में कहा कि वे आगे भी बार-बार यहाँ आने की कामना रखते हैं ताकि ईश्वरीय ज्ञान और राजयोग की साधना से अपने जीवन को और अधिक मंगलमय और शक्तिशाली बना सकें।

RADIO MADHUBAN 107.8 FM
POSITIVE CHANGE



कोलकाता से पधारे अतिथियों का ग्लोबल समिट में आत्मिक अनुभव







यहाँ की व्यवस्था और हर बहन-भाई का अपनापन उन्हें एक दिव्य परिवार का हिस्सा बना देता है।

ग्लोबल समिट में कोलकाता से आए अतिथियों ने अपने अनुभव सांझा करते हुए कहा कि उन्हें ऐसा महसूस हुआ मानो वे स्वयं भगवान के घर में आ गए हों। उन्होंने कहा कि इस पवित्र स्थल पर आकर मन को जो शांति, प्रेम और सकारात्मक ऊर्जा मिली, वह शब्दों में बयान नहीं की जा सकती। अतिथियों ने बताया कि यहाँ का वातावरण, यहाँ की व्यवस्था और हर बहन-भाई का अपनापन उन्हें एक दिव्य परिवार का हिस्सा बना देता है। उन्होंने कहा कि यहाँ रहकर आत्मा को सच्चा विश्राम और मन को गहराई से स्थिरता का अनुभव हुआ।



जीवन की सबसे यादगार और धन्य अनुभूति रही।

उन्होंने विशेष रूप से अपने बी.के. सेंटर की दीदी का हृदय से धन्यवाद किया, जिन्होंने उन्हें इस सुंदर और पवित्र स्थान पर लाने का अवसर दिया। उनके अनुसार, यह यात्रा उनके जीवन की सबसे यादगार और धन्य अनुभूति रही।
कोलकाता से आए सभी अतिथियों ने यह भी कहा कि वे आगे भी बार-बार यहाँ आना चाहेंगे ताकि ईश्वरीय ज्ञान और राजयोग की साधना से अपने जीवन को और अधिक शांत, सफल और सुखमय बना सकें।

RADIO MADHUBAN 107.8 FM
POSITIVE CHANGE

पद्मश्री भीकू रामजी इदाते और सामाजिक कार्यकर्ता संपदा जी का शांतिवन में आध्यात्मिक अनुभव

उनके साथ उपस्थित सामाजिक कार्यकर्ता संपदा जी ने भी अपने अनुभव सांझा किए। उन्होंने कहा कि शांतिवन का वातावरण उन्हें असीम शांति और प्रेम की अनुभूति देता है। उन्होंने कहा — “यहाँ आकर ऐसा लगा जैसे आत्मा अपने सच्चे घर में लौट आई हो। मैं इस अमूल्य ज्ञान को अपने साथ जुड़े सभी लोगों के बीच बाटूँगी, ताकि हर व्यक्ति इस शांति और पवित्रता का अनुभव कर सके।”
दोनों ही अतिथियों ने एक स्वर में कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ का यह मिशन वास्तव में मानवता को जोड़ने वाला वैश्विक आंदोलन है, जो न केवल विचारों को बदलता है, बल्कि जीवन की दिशा और दृष्टि को भी प्रकाशमान कर देता है।









RADIO MADHUBAN 107.8 FM
POSITIVE CHANGE

ग्लोबल समिट 2025 में मैसूर से आए अतिथि संपत कुमार जी और के. बी. लिंगराजू जी का प्रेरणादायक अनुभव

ग्लोबल समिट 2025, जो ब्रह्माकुमारीज़ शांतिवन, माउंट आबू में आयोजित हुआ, में देश के विभिन्न भागों से अनेक प्रतिष्ठित अतिथियों ने भाग लिया। इनमें से मैसूर (कर्नाटक) से आए संपत कुमार जी, जो एक इंजीनियर हैं, और के. बी. लिंगराजू जी, जो एक कंपनी के निदेशक एवं कृषि समाज के अध्यक्ष हैं, ने अपने अनुभव सांझा किए।

संपत कुमार जी ने बताया कि उन्हें इस समिट का निमंत्रण कई दिन पहले प्राप्त हुआ था, और जब वे वास्तव में यहाँ पहुँचे, तो उनका अनुभव अद्भुत और अविस्मरणीय रहा। उन्होंने कहा कि इतना बड़ा आयोजन ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा इतनी अनुशासन और शालीनता से प्रबंधित किया गया है, यह वास्तव में आश्चर्यजनक है।









RADIO MADHUBAN 107.8 FM
POSITIVE CHANGE

थाईलैंड से आई शनीसारा और उनकी टीम का ग्लोबल समिट में दिव्य अनुभव







ग्लोबल समिट 2025 में थाईलैंड से पधारी शनीसारा और उनकी टीम ने अपने अनुभव अंग्रेज़ी भाषा में सांझा किए, जिन्हें रेडियो मधुबन पर आर.जे. रमेश ने हिंदी में अनुवाद कर श्रोताओं तक पहुँचाया। शनीसारा जी ने बताया कि उन्हें यहाँ आकर अत्यंत खुशी और आत्मिक शांति का अनुभव हुआ। उन्होंने कहा —

"यह स्थान वास्तव में एक पावर प्लेस है, जहाँ ईश्वरीय शक्ति का वास है। ऐसा लगता है मानो यह स्वयं भगवान का निवास स्थान हो।"

उन्होंने बताया कि वे अपनी पूरी टीम के साथ यहाँ आई हैं और सभी ने इस पवित्र वातावरण से अद्भुत शांति और सकारात्मक ऊर्जा प्राप्त की। शनीसारा ने कहा कि उनका ब्रह्माकुमारीज़ से जुड़ाव तब शुरू हुआ जब उनके प्रोफेसर, जो स्वयं ब्रह्माकुमारीज़ से जुड़े हैं, ने उन्हें इस संस्था से परिचित कराया। तभी से वे अपने जीवन में ईश्वरीय कृपा और आशीर्वाद महसूस कर रही हैं। उन्होंने यह भी बताया कि उनके वही प्रोफेसर भी इस ग्लोबल समिट में वक्ता (Speaker) के रूप में शामिल हुए हैं।

शनीसारा जी ने भावुक होकर कहा —

"मुझे यहाँ आकर ऐसा लगा मानो मैं अपने घर वापस लौट आई हूँ। यहाँ की शांति, स्नेह और अपनापन ने मेरे हृदय को भर दिया है। मेरी खुशी लगातार बढ़ रही है, और मैं बार-बार यहाँ आना चाहती हूँ।"

उनका अनुभव सभी के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आध्यात्मिक एकता का प्रतीक बन गया।

RADIO MADHUBAN 107.8 FM
POSITIVE CHANGE

छात्रों ने भी कहा कि यह यात्रा उनके लिए जीवन बदलने वाला अनुभव रही – जहाँ उन्होंने शांति, अनुशासन और आत्म-संबंध को नए रूप में जाना।





“आज जब हमने शिवानी दीदी को लाइव सुना, तो लगा जैसे जीवन में टेक्नोलॉजी और अध्यात्म का सुंदर संतुलन स्थापित करने का मार्ग स्पष्ट हो गया है। हम इस अनुभव को अपने विश्वविद्यालय परिसर में भी लागू कर रहे हैं।”

साथ ही, डॉ. वेदांत गर्ग ने भी अपने भाव सांझा किए। उन्होंने कहा कि शांतिवन पहुंचते ही उन्हें ऐसा लगा मानो वे अपनों के बीच लौट आए हों। उन्होंने कहा –

“यहाँ हर कोई आत्मा के रूप में जुड़ा हुआ है। हम सभी बहुत समय बाद फिर से मिले हैं – एक ही परिवार की तरह।”

उन्होंने शांतिवन के सुंदर प्रबंधन, अनुशासन और व्यवस्थित व्यवस्था की विशेष प्रशंसा की और कहा कि यहाँ आने से उनकी एक खोज पूर्ण हो गई है। अब वे बार-बार यहाँ आना चाहते हैं ताकि इस आध्यात्मिक वातावरण से और अधिक प्रेरणा ले सकें।



RADIO MADHUBAN 107.8 FM
POSITIVE CHANGE

ग्लोबल समिट 2025 में मैसूर से आए अतिथि संपत कुमार जी और के. बी. लिंगराजू जी का प्रेरणादायक अनुभव

आगे उन्होंने कहा

“यह कोई साधारण आयोजन नहीं, बल्कि ईश्वरीय संगठन की सच्ची मिसाल है। यहाँ आकर मुझे लगा जैसे मैं किसी दिव्य लोक में हूँ। सभी बीके भाई-बहनों ने जिस निःस्वार्थ भाव से सेवा की, उसने मेरे मन को छू लिया।”

उन्होंने आगे कहा कि शांतिवन में उन्हें ‘ओम शांति’ का वास्तविक अर्थ और अनुभव प्राप्त हुआ। उन्होंने यह भी बताया कि यहाँ के माहौल में उन्हें इतनी शांति मिली कि वे अपने मोबाइल फोन तक उठाना नहीं चाहते थे।

“यहाँ की आतिथ्य भावना, अनुशासन, और प्रेम देखकर मैं बहुत प्रभावित हूँ। मैंने यहाँ एक संकल्प लिया है — अब से मैं मांसाहार पूरी तरह त्याग दूँगा और अपने जीवन को और पवित्र बनाऊँगा।”

इसी कार्यक्रम में उपस्थित के. बी. लिंगराजू जी ने भी अपने अनुभव सांझा करते हुए कहा कि उन्होंने पहली बार किसी आयोजन में इतनी गहरी शांति, अनुशासन और आध्यात्मिकता का संगम देखा। उन्होंने कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान ने यह सिद्ध कर दिया है कि सच्चा परिवर्तन केवल ज्ञान और ध्यान के माध्यम से ही संभव है।

दोनों अतिथियों ने ब्रह्माकुमारीज़ परिवार के प्रति गहरा आभार व्यक्त किया और कहा कि वे यहाँ से केवल अनुभव लेकर नहीं जा रहे, बल्कि एक नई सोच और जीवन का संकल्प लेकर जा रहे हैं —

“शांति को केवल सुनना नहीं, बल्कि उसे जीना है — यही शांतिवन का संदेश है।”







RADIO MADHUBAN 107.8 FM
POSITIVE CHANGE

नेपाल से आए वरिष्ठ सरकारी अधिकारी बुदिराज बिंदे जी का आभार संदेश

नेपाल से पधारे वरिष्ठ सरकारी अधिकारी श्री बुदिराज बिंदे जी ने ब्रह्माकुमारीज़ ग्लोबल समिट 2025 में भाग लेने के बाद अपने भाव व्यक्त करते हुए कहा

"मैं हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ कि मुझे इस महान और प्रेरणादायक सम्मेलन में शामिल होने का अवसर मिला। यह मेरे जीवन का एक अविस्मरणीय और आत्मिक रूप से समृद्ध अनुभव रहा। यहाँ का वातावरण, ब्रह्माकुमारीज़ बहनों एवं भाइयों की निःस्वार्थ सेवा, और 'ओम शांति' का संदेश वास्तव में मन को गहराई से स्पर्श करता है।

मैं अपने देश नेपाल वापस जाकर भी इस ईश्वरीय ज्ञान और शांति के संदेश को आगे बढ़ाऊँगा, ताकि अधिक से अधिक लोग इस अद्भुत अनुभव से जुड़ सकें।
मैं पुनः ब्रह्माकुमारीज़ शांतिवन परिवार का आभारी हूँ, जिन्होंने इतने सौहार्दपूर्ण और प्रेममय वातावरण में हम सभी अतिथियों का स्वागत किया।"

उनका यह संदेश इस बात का प्रतीक है कि ब्रह्माकुमारीज़ का यह मिशन केवल भारत तक सीमित नहीं, बल्कि पूरे विश्व में शांति, एकता और आध्यात्मिकता का सेतु बन रहा है।



October 2025 Abu - Sirohi

RADIO MADHUBAN 107.8 FM
POSITIVE CHANGE

ज्योति विश्वविद्यालय की डॉ. हेमा बाफिला और डॉ. वेदांत गर्ग का ग्लोबल समिट 2025 में आत्मिक अनुभव



ग्लोबल समिट 2025 में ज्योति यूनिवर्सिटी (जयपुर) की डॉ. हेमा बाफिला अपनी टीम सहित सम्मिलित हुईं। उन्होंने रेडियो मधुबन पर अपने गहन अनुभव सांझा करते हुए कहा कि वे पिछले चार वर्षों से ब्रह्माकुमारी शिवानी दीदी के प्रवचन सुन रही हैं और उनके विचारों से प्रेरित होकर विश्वविद्यालय में अनेक आध्यात्मिक सेशन और वैल्यू-बेस्ड प्रोग्राम्स आयोजित कर चुकी हैं।
डॉ. हेमा ने कहा कि शांतिवन आकर उन्हें एक विशेष आत्मिक शांति और अपनापन का अनुभव हुआ। यहाँ के वातावरण में संवाद करते समय हर व्यक्ति से सकारात्मक ऊर्जा और आत्मीयता का अनुभव होता है।





RADIO MADHUBAN 107.8 FM
POSITIVE CHANGE

ग्लोबल समिट में जादूगर और काउंसलर हरीश यादव का प्रेरणादायक अनुभव



जयपुर से पधारे प्रसिद्ध मैजिशियन और काउंसलर हरीश यादव जी ने ग्लोबल समिट 2025 में भाग लिया और रेडियो मधुबन पर अपना अनुभव सांझा किया। उन्होंने कहा कि वे अपने पेशे में वर्षों से माइंड और मैनेजमेंट से जुड़े हुए हैं, परंतु यहाँ आकर उन्हें मन को समझने और संभालने का आध्यात्मिक दृष्टिकोण मिला।
हरीश जी ने कहा कि ब्रह्माकुमारियों की जीवनशैली और अनुशासन ने उन्हें गहराई से प्रभावित किया। उन्होंने यहाँ सीखा कि राजयोग ध्यान के माध्यम से मन को एकाग्र करना, विचारों को शुद्ध बनाना और दिव्य विचारों की श्रृंखला को प्रवाहित करना संभव है।

“यहाँ मन का वास्तविक प्रबंधन सिखाया जाता है — बिना किसी जादू के, केवल आत्म-ज्ञान और शुद्ध संकल्पों से।”



हरीश यादव जी ने ब्रह्माकुमारियों को धन्यवाद देते हुए कहा कि वे इस सीख को अपने जीवन और कार्यक्षेत्र में लागू करेंगे ताकि अधिक से अधिक लोग मन की शांति और संतुलन प्राप्त कर सकें।

RADIO MADHUBAN 107.8 FM
POSITIVE CHANGE

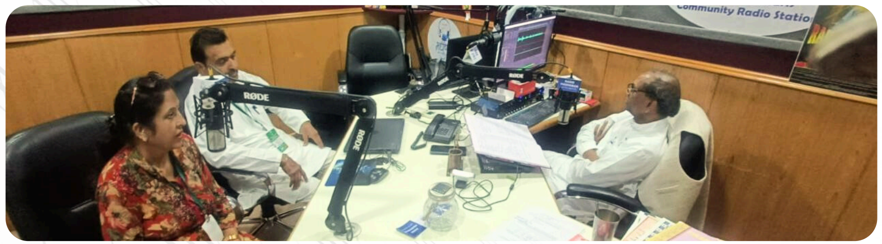
हरियाणा से आई आशा जी का अनुभव सांझा





हरियाणा से पधारी आशा जी ने अपने हृदयस्पर्शी अनुभव सांझा करते हुए कहा —
“जब से मैं ब्रह्माकुमारीज़ सेंटर से जुड़ी हूँ, तब से मेरे जीवन में एक अद्भुत परिवर्तन आया है। मुझे भीतर से बहुत शांति, शक्ति और सुख का अनुभव होता है। सेंटर पर मुझे भजन सेवा करने का अवसर मिलता है, जिससे मन में अपार आनंद की अनुभूति होती है।”

उन्होंने आगे बताया कि उन्होंने रेडियो कार्यक्रम में भी एक सुंदर भजन प्रस्तुत किया —
“पकड़ लो हाथ मेरा बनवारी...” यह भजन सुनकर सभी के हृदय भावविभोर हो गए।
आशा जी ने सभी को संदेश देते हुए कहा कि —
“हर व्यक्ति को जीवन में एक बार ब्रह्माकुमारीज़ सेंटर अवश्य आना चाहिए। यहाँ का वातावरण, यहाँ की सकारात्मक ऊर्जा और ईश्वरीय ज्ञान जीवन को नई दिशा प्रदान करता है।”
उनके अनुभव ने सभी श्रोताओं के मन में आध्यात्मिक प्रेरणा और स्नेह का संचार किया।



RADIO MADHUBAN 107.8 FM
POSITIVE CHANGE

प्राचार्या डॉ. सुहासिनी संत ने ग्लोबल समिट का अपना अनुभव सांझा करते हुए कहा

गोखले एजुकेशन सोसाइटी (GES), बोरिवली की प्राचार्या डॉ. सुहासिनी संत ने ग्लोबल समिट का अपना अनुभव सांझा करते हुए कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ का ज्ञान इतना शक्तिशाली है कि यह धरती पर सत्ययुग की स्थापना कर सकता है। उन्होंने बताया कि यहाँ स्टेशन से लेकर कैंपस तक बहुत ही उत्कृष्ट आतिथ्य व्यवस्था रही, जिससे वे अत्यंत प्रसन्न हुईं। डॉ. सुहासिनी ने मुस्कुराते हुए कहा कि उन्हें यहाँ आकर "आनंदाची डोही " गीत की याद आ गई। उन्होंने आगे बताया कि उनके शिक्षा संस्थान के अंतर्गत 140 विद्यालय हैं, और वे सभी को यहाँ आने के लिए प्रेरित करेंगी — ऐसा उन्होंने संकल्प लिया है।





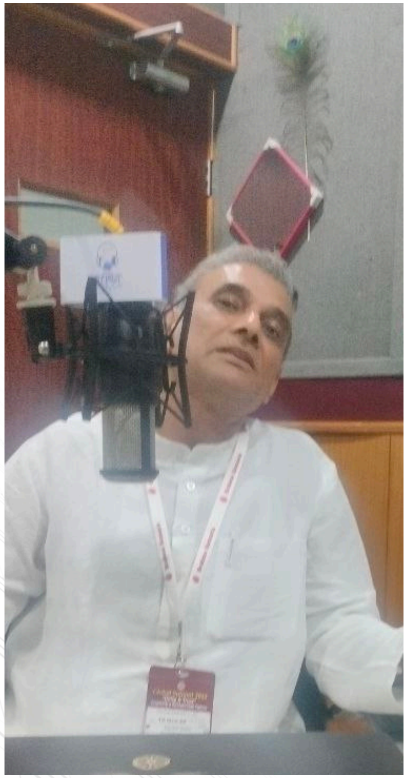
डॉ. सुहासिनी संत ने आगे कहा कि इस समिट ने उनके जीवन में एक नई सोच और सकारात्मक ऊर्जा का संचार किया है। उन्होंने अनुभव साझा करते हुए बताया कि ब्रह्माकुमारीज़ के आध्यात्मिक वातावरण में मन को गहन शांति और आत्मबल का अनुभव होता है। यहाँ के सेशन्स में जीवन मूल्यों, शिक्षा में आध्यात्मिकता और नैतिकता के महत्व पर जो विचार रखे गए, वे शिक्षा के क्षेत्र में एक नई दिशा दिखाते हैं।

उन्होंने यह भी कहा कि आज की युवा पीढ़ी को केवल ज्ञान ही नहीं, बल्कि संस्कारों की भी आवश्यकता है, और यही समग्र शिक्षा की सच्ची पहचान है। उन्होंने बताया कि वे इस प्रेरणा को अपने सभी 140 विद्यालयों में पहुँचाएँगी, ताकि विद्यार्थी केवल सफल नहीं, बल्कि संवेदनशील और सजग नागरिक बनें।

समापन में उन्होंने कहा कि "यहाँ का अनुभव अविस्मरणीय है — ऐसा लगता है मानो आत्मा को अपनी असली पहचान मिल गई हो। मैं फिर से यहाँ आने और अपने शिक्षकों व छात्रों को भी इस पावन स्थान से जोड़ने का संकल्प लेकर जा रही हूँ।"

RADIO MADHUBAN 107.8 FM
POSITIVE CHANGE

दिल्ली लाजपत नगर से पधारे बलजीत सिंह जी का आत्मिक अनुभव – ग्लोबल समिट 2025



दिल्ली लाजपत नगर से पधारे बलजीत सिंह जी ने ग्लोबल समिट 2025 में भाग लिया और रेडियो मधुबन पर अपने गहरे आत्मिक अनुभव सांझा किए। उन्होंने बड़े भावपूर्ण शब्दों में कहा कि —

"यहाँ आना वास्तव में परमात्मा का निमंत्रण था। मैं अत्यंत आनंद और संतुष्टि का अनुभव कर रहा हूँ। यह स्थान आत्मा को ईश्वरीय शक्ति से जोड़ने वाला दिव्य स्थल है।"

बलजीत सिंह जी ने बताया कि वे सन् 2022 से ब्रह्माकुमारियों से जुड़े हुए हैं। पहले वे केवल ज्ञान सुनते थे, लेकिन अब वे उसे जीवन में अनुभव और अभ्यास के रूप में अपनाने लगे हैं। उन्होंने कहा कि पहले उनके अंदर कभी-कभी अहंकार और क्रोध की भावना आ जाती थी, विशेषकर जब वे अपने कार्यक्षेत्र — जो मंत्रालय स्तर का है — में चुनौतियों का सामना करते थे। लेकिन जबसे उन्होंने राजयोग मेडिटेशन का नियमित अभ्यास शुरू किया है, उनके कर्म सहज और सरल हो गए हैं। वे बताते हैं कि अब वे हर स्थिति में शांत रहते हैं और कठिन से कठिन निर्णय भी धैर्यपूर्वक ले पाते हैं।

बलजीत जी ने कहा —
"अब मैंने दुआएँ देना और लेना दोनों ही कला सीख ली है। यह कला मेरे जीवन को बदलने वाली सिद्ध हुई है। आध्यात्मिक चिंतन और मनन से मुझे शक्ति मिलती है, और अब सभी के साथ प्रेमपूर्ण व्यवहार करना सहज हो गया है।" उन्होंने अंत में यह भी कहा कि ब्रह्माकुमारियों का यह ज्ञान जीवन में सच्चे अर्थों में शांति, स्थिरता और सशक्तिकरण लाता है।

उनका संदेश स्पष्ट था — "राजयोग केवल ध्यान नहीं, बल्कि जीवन जीने की एक ईश्वरीय कला है। जब मन शांत होता है, तो हर कर्म दिव्यता से पूर्ण हो जाता है।"

RADIO MADHUBAN 107.8 FM
POSITIVE CHANGE

नेपाल के आनंद कार्की का ग्लोबल समिट 2025 में प्रेरणादायक अनुभव

नेपाल के सुप्रसिद्ध गायक आनंद कार्की, जो लंबे समय से ब्रह्माकुमारियों से जुड़े हुए हैं, ग्लोबल समिट 2025 में विशेष अतिथि के रूप में आमंत्रित किए गए। यह समिट शांतिवन, माउंट आबू में आयोजित हुई, जिसका विषय था "Unity and Trust – Inspiring a Sustainable Future."

आनंद कार्की जी ने इस अवसर पर अपने गहन आध्यात्मिक अनुभव सांझा किए और कहा कि —

"शांतिवन आना मेरे लिए केवल एक यात्रा नहीं, बल्कि ईश्वर का आशीर्वाद है। यहाँ आकर आत्मा को वह शांति मिलती है, जिसकी तलाश हर इंसान करता है।"



समिट के दौरान उन्हें विशेष रूप से सम्मानित किया गया और उनके नए आध्यात्मिक गीतों के एल्बम का लोकार्पण भी हुआ। उनके गीतों में ईश्वरीय प्रेम, आत्म-जागृति और शांति का सुंदर संदेश झलकता है।

बाद में, आनंद कार्की जी रेडियो मधुबन के स्टूडियो में पहुंचे जहाँ आर.जे. रमेश के साथ उनका विशेष इंटरव्यू हुआ। इस दौरान उन्होंने दो मधुर गीत प्रस्तुत किए, जिनकी धुनों ने श्रोताओं के मन को छू लिया।
उन्होंने बताया कि ब्रह्माकुमारीज़ की शिक्षाओं से उन्हें जीवन का सच्चा अर्थ समझ में आया —
"परमपिता परमात्मा से जुड़ना ही सच्ची कला है, और यही संबंध मेरे संगीत को भी आत्मा से जोड़ता है।"
आनंद कार्की जी ने कहा कि वे भविष्य में भी इस ज्ञान और संगीत के माध्यम से विश्व में शांति और सद्भावना का संदेश फैलाने का कार्य जारी रखेंगे।

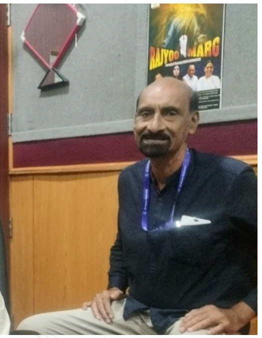
RADIO MADHUBAN 107.8 FM
POSITIVE CHANGE

ओडिशा से आईं स्वरूपा पटनायक जी का अनुभव

ओडिशा से पधारी स्वरूपा पटनायक जी और उनके पति ने अपने सुंदर अनुभव सांझा किए। उन्होंने कहा कि —
"यहाँ आकर हमें बहुत अच्छा लगा। यहाँ का वातावरण, सेवा भाव और आध्यात्मिक माहौल मन को गहराई तक छू गया। ब्रह्माकुमारीज़ की निस्वार्थ सेवा और अनुशासन ने हमें बहुत प्रभावित किया है।"
उन्होंने आगे बताया कि यहाँ उन्हें आत्मा का गहरा अनुभव हुआ, जो उनके जीवन में एक स्थायी आकर्षण बन जाएगा।
स्वरूपा जी ने मुस्कुराते हुए कहा कि —
"मैं स्वयं रेडियो से जुड़ी हूँ, इसलिए यहाँ रेडियो मधुबन को देखकर मुझे विशेष प्रसन्नता हुई। यह देखकर बहुत अच्छा लगा कि कैसे ईश्वरीय संदेश रेडियो के माध्यम से पूरे विश्व तक पहुँचाया जा रहा है।"
उनकी वाणी और अनुभव ने सभी उपस्थित जनों को सेवा, शांति और आध्यात्मिकता के महत्व का संदेश दिया।









RADIO MADHUBAN 107.8 FM
POSITIVE CHANGE

विभिन्न राज्यों से आए अतिथियों का हृदयस्पर्शी अनुभव

उत्तर प्रदेश से पधारी विद्या बहन, जम्मू–कश्मीर से आए सुरेन्द्र सिंह जी और सुभाष चन्द्र जी, तथा कर्नाटक से आए बसवराज भाई और एडवोकेट चन्द्रशेखर जी — सभी ने अपने अनोखे अनुभव सांझा किए।

इन सभी ने कहा कि यहाँ की स्वच्छता, अनुशासन और शांति का वातावरण मन को गहराई से छू गया। ब्रह्माकुमारीज़ के सेवाधारी बहनों और भाइयों की निस्वार्थ सेवा भावना ने उन्हें अत्यंत प्रभावित किया।

उन्होंने कहा —

“यह स्थान केवल एक आश्रम नहीं, बल्कि ईश्वरीय शक्ति का अनुभव स्थल है। यहाँ आकर ऐसा लगा जैसे मन और आत्मा दोनों पवित्र हो गए हों।”

सभी ने एक स्वर में कहा कि अब उनका मन हमेशा के लिए बाबा का हो गया है, और वे इस ज्ञान और शांति के संदेश को अपने-अपने क्षेत्रों में पहुँचाने का संकल्प लेकर लौटेंगे।











RADIO MADHUBAN 107.8 FM
POSITIVE CHANGE

ग्लोबल समिट में डॉ. मयंक का मनोवैज्ञानिक दृष्टिकोण से अनुभव







ग्लोबल समिट 2025 में पधारे डॉ. मयंक, जो एक प्रसिद्ध मनोचिकित्सक (Psychiatrist) हैं, ने अपने अनुभव को गहराई से सांझा किया। उन्होंने कहा कि —

“जहाँ एक Psychiatrist दवाइयों से इलाज करता है, वहीं एक Psychologist बातचीत और CBT (Cognitive Behavioral Therapy) के माध्यम से मन को ठीक करता है। परंतु यहाँ ब्रह्माकुमारीज़ के सान्निध्य में जो शांति का अनुभव होता है, वह स्वयं मन के लिए एक प्राकृतिक उपचार है।”

डॉ. मयंक ने आगे कहा कि यहाँ आने पर उन्होंने महसूस किया कि यह स्थान मन की शांति और स्थिरता को बढ़ाता है, जो किसी भी व्यक्ति के मानसिक स्वास्थ्य के लिए अत्यंत आवश्यक है।

उन्होंने विशेष रूप से यहाँ की स्वच्छता, अनुशासन और शांति प्रिय वातावरण की प्रशंसा करते हुए कहा कि —

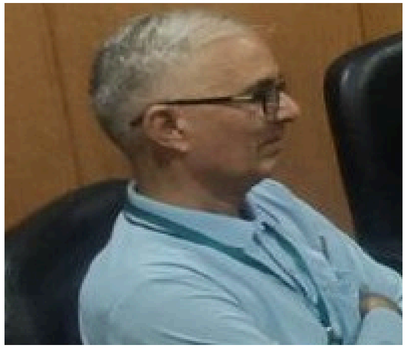
“यहाँ का माहौल स्वयं एक जीवंत थैरेपी की तरह है, जो मन को सशक्त बनाता है और आत्मा को हल्का कर देता है।”

डॉ. मयंक ने अंत में कहा कि वे इस अनुभव को अपने जीवन और अपने कार्यक्षेत्र में भी आगे बढ़ाएँगे ताकि अधिक से अधिक लोग आत्मिक शांति और मानसिक संतुलन का लाभ पा सकें।

दीपिका जी ने आगे कहा कि यहाँ का ईश्वरीय ज्ञान, मेडिटेशन का प्रभाव और ब्रह्माकुमारी बहनों की निस्वार्थ सेवा भावना ने उनके जीवन में नई ऊर्जा भर दी है। उन्होंने अपने केंद्र की दीदी का हृदय से आभार व्यक्त करते हुए कहा — “मैं अपनी दीदी को बहुत-बहुत धन्यवाद देती हूँ, जिन्होंने मुझे यहाँ आने की प्रेरणा दी। सच में, यहाँ आकर आत्मा को जो शांति और सुकून मिला है, वह जीवनभर याद रहेगा।”

RADIO MADHUBAN 107.8 FM
POSITIVE CHANGE

रामकोला (उत्तर प्रदेश) और इंदौर (म.प्र.) से आए अतिथियों का अनुभव – "शांति और संस्कारों का संगम"





ग्लोबल समिट 2025 में शामिल होकर श्री राम वर्मा, जो श्री राम ट्रस्ट ज्ञान मंदिर, रामकोला के प्रिंसिपल व डायरेक्टर हैं, ने अपने हृदयस्पर्शी अनुभव सांझा किए। उन्होंने कहा —
"मैं शिक्षा के साथ संस्कार देने का कार्य कर रहा हूँ। यहाँ आने से पहले मैंने जो कल्पना की थी, उससे कहीं अधिक यहाँ पाया। ऐसा लगा मानो स्वर्ग धरती पर उतर आया हो। यहाँ लोगों का आपसी मेल-मिलाप और एकता मुझे गहराई से प्रभावित कर गया।"

वहीं इंदौर (मध्य प्रदेश) से आए दिलीप मेहता और लोकेश जैन ने कहा —
"इस ग्लोबल समिट में हमने बहुत कुछ सीखा है। अब हम प्रयास करेंगे कि इसे अपने परिवार के जीवन में अपनाएँ और नियमित राजयोग मेडिटेशन करें, ताकि तन और मन दोनों स्वस्थ रहें।"



October 2025 Abu - Sirohi

RADIO MADHUBAN 107.8 FM
POSITIVE CHANGE

गौरव प्रतीक का ब्रह्माकुमारीज ग्लोबल समिट 2025 में प्रेरणादायक अनुभव

प्रसिद्ध अभिनेता और बहुमुखी प्रतिभाशाली व्यक्तित्व गौरव प्रतीक ने शांतिवन, माउंट आबू में आयोजित ग्लोबल समिट 2025 में भाग लिया और अपने अनुभव रेडियो मधुबन पर सांझा किए।
उन्होंने कहा कि "मुझे यहाँ आकर अत्यंत खुशी हुई। मैंने सभी प्रवचनों को ध्यान से सुना और उनसे आत्मिक शांति एवं सकारात्मकता का अनुभव किया। मैं पहले से ही ब्रह्माकुमारियों से जुड़ा हूँ, और यहाँ का वातावरण, स्वच्छ प्रकृति और सात्विक भोजन मेरे हृदय को छू गया।"
गौरव जी ने आगे कहा कि माउंट आबू वास्तव में एक पवित्र स्थल है, जहाँ आकर आत्मा को शांति और मन को शक्ति मिलती है। उन्होंने संकल्प व्यक्त किया कि वे इस ईश्वरीय संदेश को अधिक से अधिक लोगों तक पहुँचाएँगे और सभी को प्रेरित करेंगे कि वे भी ब्रह्माकुमारि केंद्र से जुड़कर स्वास्थ्य, शांति और सुखमय जीवन प्राप्त करें।

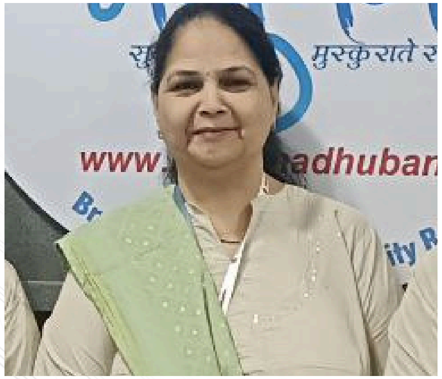






RADIO MADHUBAN 107.8 FM
POSITIVE CHANGE





त्रिशाला और तरुणा का ग्लोबल समिट का स्वर्णिम अनुभव

ग्लोबल समिट 2025 में शामिल हुईं त्रिशाला और तरुणा ने अपने अनुभव बड़े हर्ष के साथ सांझा किए। दोनों ने कहा कि उन्हें यहाँ आकर ऐसा लगा मानो वे स्वर्ग समान वातावरण में हों — हर क्षण शांति, प्रेम और ईश्वरीय अनुभूति से भरा हुआ।

इस विशेष दिन की और भी सुंदर बात यह रही कि तरुणा जी का जन्मदिन भी था। रेडियो मधुबन स्टूडियो में हलधर भाई (ग्लोबल हॉस्पिटल) उपस्थित थे, जिन्होंने तरुणा जी के जन्मदिन पर एक सुंदर गीत गाकर माहौल को मधुर बना दिया। बी.के. वंदना बहन ने तरुणा और त्रिशाला — दोनों को मिठाई खिलाकर शुभकामनाएँ दीं और सभी के साथ इस पवित्र क्षण को यादगार बनाया। तरुणा और त्रिशाला ने कहा कि यह अनुभव उनके जीवन की अविस्मरणीय स्मृति बन गया — जहाँ न केवल आत्मिक आनंद मिला बल्कि प्रेम, अपनापन और शांति की सच्ची अनुभूति भी हुई।



October 2025 Abu - Sirohi

RADIO MADHUBAN 107.8 FM
POSITIVE CHANGE

उत्तर प्रदेश के प्रहलाद मौर्य का अनुभव – "सरलता में ही है सच्ची महानता"

ग्लोबल समिट 2025 में शामिल होकर प्रहलाद मौर्य (उत्तर प्रदेश) ने अपने अनूठे अनुभव सांझा किए। उन्होंने बताया —

"मैं तराई बेल्ट से हूँ, जहाँ की मिट्टी गन्ने की खेती के लिए बहुत उपजाऊ है। पहले मुझे इस विषय में केवल 10% जानकारी थी, परंतु अब धीरे-धीरे अनुभव से बहुत कुछ सीख रहा हूँ।"

उन्होंने आगे कहा —





"यहाँ ग्लोबल समिट में आकर मन प्रफुल्लित हो गया। यहाँ की सरल परंपराएँ, श्रेष्ठ रीति-रिवाज और सबसे बढ़कर यह कि यहाँ कोई दिखावा या आडंबर नहीं है — यह सब देखकर मन को सच्ची शांति और प्रसन्नता मिली।"

अंत में उन्होंने कहा —

"यह स्थान हमें सिखाता है कि जीवन की महानता सादगी और सेवा में ही है।"

RADIO MADHUBAN 107.8 FM
POSITIVE CHANGE

झारखंड से आए मनोज गोपे, मितेश और रेनू चंद्रका का अनुभव – “सच्ची आध्यात्मिकता का स्वाद”



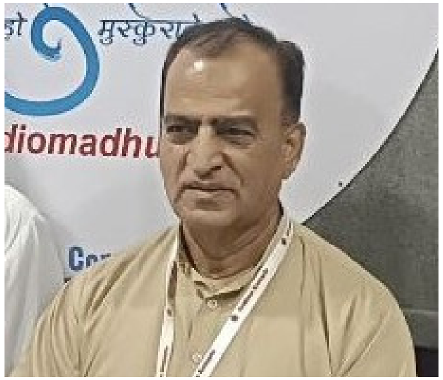
ग्लोबल समिट 2025 में शामिल होकर मनोज गोपे, मितेश और रेनू चंद्रका (चंद्रवती, झारखंड) ने अपने गहरे अनुभव सांझा किए। उन्होंने कहा —

“यह ग्लोबल समिट हमारे जीवन का एक अनूठा अनुभव है, जिसे शब्दों में व्यक्त नहीं किया जा सकता। यह ऐसा अनुभव है जिसे केवल यहाँ आकर महसूस किया जा सकता है।”



तीनों ने सभी से विनम्र अनुरोध किया —
“हम सब लोगों से कहना चाहते हैं कि एक बार अवश्य शांतिवन आएँ और सच्ची आध्यात्मिकता का स्वाद स्वयं चखें। यहाँ आने के बाद मन को जो शांति और आत्मा को जो सुकून मिलता है, वह संसार के किसी कोने में नहीं मिलता।”
उन्होंने अंत में कहा —
“ॐ शांति — यही वह मंत्र है जो आत्मा को उसके मूल स्वरूप की ओर ले जाता है।”

RADIO MADHUBAN 107.8 FM
POSITIVE CHANGE



स्वदेश चड्ढा जी का ब्रह्माकुमारियों के प्रति भावपूर्ण अनुभव

स्वदेश चड्ढा जी ने अपने प्रेरणादायक विचार सांझा करते हुए कहा कि “ब्रह्माकुमारियों को देखकर मुझे अत्यंत अच्छा लगा।” उन्होंने बताया कि पहाड़गंज सेंटर के माध्यम से समाज के लोगों को सात्विक जीवन अपनाने की प्रेरणा दी जा रही है, जिससे अनेक लोग विकारों और व्यसनों से मुक्त होकर एक नया जीवन जी रहे हैं।
उन्होंने आगे कहा कि —
“आज के समय में पश्चिमी संस्कृति (Western Culture) का प्रभाव तेजी से बढ़ रहा है। ऐसे में समाज को बचाने और सही दिशा देने का कार्य ब्रह्माकुमारियाँ कर रही हैं। वे ‘मूल्य-आधारित जीवन, एकता (Unity) और विश्वास (Trust) के साथ जीने की कला सिखा रही हैं’, जो आज के युग की सबसे बड़ी आवश्यकता है।”





RADIO MADHUBAN 107.8 FM
POSITIVE CHANGE

स्वदेश चड्ढा जी का ब्रह्माकुमारियों के प्रति भावपूर्ण अनुभव



स्वदेश जी ने यह भी बताया कि वे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) से जुड़े हैं और उनका उद्देश्य भी एक सुंदर, सात्विक और संस्कारवान समाज का निर्माण करना है — वही लक्ष्य ब्रह्माकुमारियों का भी है।
उन्होंने बताया कि उनका परिवार ऑर्गेनिक इंडिया से जुड़ा हुआ है, जिसे अब टाटा ग्रुप ने अधिग्रहित किया है, और अब उनके बच्चे उस व्यवसाय को संभालते हैं, जबकि वे स्वयं समाज सेवा में लगे रहते हैं।
अंत में उन्होंने कहा —
“मैं ब्रह्माकुमारियों के कार्यों से गहराई से प्रभावित हूँ और भविष्य में भी इनके हर सेवाकार्य में सदैव सहयोग देने के लिए तत्पर रहूँगा। ओम शांति।”





RADIO MADHUBAN 107.8 FM
POSITIVE CHANGE

चंडीगढ़ और हिम्मतनगर से आए अतिथियों का अनुभव – “मन की शांति ही सच्चा धन”



ग्लोबल समिट 2025 में शामिल होकर सरवजीत सिंह (चंडीगढ़) और मोहन दयाभाई, रमन भाई पटेल (हिम्मतनगर) अपने गहरे अनुभव रेडियो मधुबन पर सांझा किए।
सरवजीत सिंह ने कहा की यहाँ आने के बाद ऐसा लगता है जैसे सारी दुनियावी बातें पीछे छूट गई हैं। राजयोग मेडिटेशन हर धर्मवालों के लिए है — जब मन शांत होता है, तभी हम कुछ अच्छा सोच और कर सकते हैं।” उन्होंने आगे कहा — “मैं नियमित रूप से गुरुद्वारा जाता हूँ, परंतु जब से ब्रह्माकुमारीज़ का ज्ञान मिला है, तब से सोच में अद्भुत परिवर्तन आया है। अब ‘बेहद की सोच’ आने लगी है — सबके प्रति शांति और सुख की कामना करना आसान हो गया है।”

हिम्मतनगर से आए मोहन भाई और रमन भाई ने बताया —
“हमें यहाँ आकर बहुत अच्छा और आनंददायक अनुभव हुआ। यहाँ की सेवा और सत्कार देवी समान है। हर कोई इतने प्रेम और निस्वार्थ भाव से सेवा करता है कि मन भावविभोर हो जाता है।”

“



RADIO MADHUBAN 107.8 FM
POSITIVE CHANGE

संत-महंत प्रभाकर कपाटे बोरकर, महाराष्ट्र का आत्मिक अनुभव – "धरा पर स्वर्ग"





ग्लोबल समिट 2025 में शामिल होकर संत-महंत प्रभाकर कपाटे बोरकर ने अपने गहरे अनुभव सांझा करते हुए कहा —

"दुनिया में आज सबके पास सब कुछ है — धन, वैभव, पद और प्रसिद्धि, परंतु आनंद की कमी है। जहाँ सुख है, वहाँ दुःख उसका साथी बनकर आता है। लेकिन जब कोई शांतिवन ब्रह्माकुमारीज़ सेंटर आता है, तो उसे सच्चा आनंद मिलता है, जो आगे चलकर परमानंद में परिवर्तित हो जाता है।"

उन्होंने भावुक होकर कहा —

"आज मुझे लग रहा है कि यहाँ आने में देर कर दी। मैं एक तीर्थंकर हूँ और अब लोगों को यह संदेश दूँगा कि वे भी इस ग्लोबल समिट में आएँ और आत्मा का ठिकाना पहचानें। मुझे यहाँ आकर अपने आत्मिक घर का अनुभव हुआ।"

उन्होंने बताया कि उनके साथ महाराष्ट्र से 30 से 40 साधक इस सम्मेलन में शामिल हुए, और अनिता बहन व हर्षा बहन ने उनके लिए मार्गदर्शक (मेंटर) बनकर यह पवित्र राह दिखाई।



October 2025 Abu - Sirohi

RADIO MADHUBAN 107.8 FM
POSITIVE CHANGE

सुमन पिचैय का ब्रह्माकुमारियों में अनुभव — माँ की प्रेरणा से मिला सच्चा सुख

रेडियो मधुबन पर अपने साक्षात्कार के दौरान सुमन पिचैय ने अपने गहन अनुभव साझा किए। उन्होंने कहा कि उन्हें यहाँ आकर बहुत अच्छा और आत्मिक अनुभव हुआ।

सुमन जी ने बताया कि वे यहाँ अपनी माँ की प्रेरणा से आए थे। उनकी माँ ने कहा था कि "ब्रह्माकुमारियों के पास जाओ, वहाँ सच्ची शांति और आत्मिक सुख का अनुभव मिलेगा।" और आज जब वे स्वयं शांतिकुंज पहुँचे, तो उन्हें लगा कि माँ की बात बिल्कुल सत्य साबित हुई।

उन्होंने आगे कहा कि पहले उनका जुड़ाव इस्कॉन संस्था से था, परंतु यहाँ आने के बाद उन्होंने पाया कि ब्रह्माकुमारियों की शिक्षा और साधना ने उनके मन को और भी गहराई से छुआ।

सुमन जी ने कहा —

"यहाँ की शांति, अनुशासन और ईश्वरीय ज्ञान ने मेरे जीवन को नई दिशा दी है। मैं माँ का और ब्रह्माकुमारियों परिवार का हृदय से आभारी हूँ।"

उनका यह अनुभव वास्तव में दर्शाता है कि जब श्रद्धा और संकल्प साथ हों, तो आत्मा को सच्ची शांति अवश्य मिलती है।







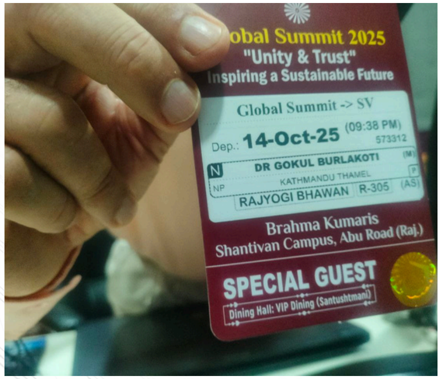






RADIO MADHUBAN 107.8 FM
POSITIVE CHANGE





डॉ. गोकुल और नेपाल से आए साथियों का स्वर्ग समान अनुभव

ग्लोबल समिट 2025 में नेपाल से पधारे डॉ. गोकुल और उनके साथ आए अन्य साथियों ने अपने गहरे और भावनात्मक अनुभव रेडियो मधुबन पर सांझा किए। उन्होंने कहा कि —

“यहाँ शांतिवन, माउंट आबू का वातावरण वास्तव में स्वर्ग समान है। यहाँ की शांति, पवित्रता और स्नेह ने हमारे हृदय को गहराई तक छू लिया। हर जगह अनुशासन, निस्वार्थ सेवा और आत्मिक ऊर्जा का प्रवाह देखने को मिला, जो आज की दुनिया में दुर्लभ है।”

डॉ. गोकुल ने कहा कि उन्हें यहाँ आकर ऐसा महसूस हुआ जैसे वे ईश्वर के निकट आ गए हों। सुबह का योग और मेडिटेशन सत्र उनके लिए अत्यंत सुखद और आत्मिक रूप से ऊर्जावान रहा। उन्होंने बताया कि यहाँ के सेवाधारी भाई-बहनों का व्यवहार, प्रेम और सत्कार इतना आत्मीय था कि मन बार-बार यही कह रहा था — “यही है सच्ची ईश्वरीय भूमि।”



October 2025 Abu - Sirohi

RADIO MADHUBAN 107.8 FM
POSITIVE CHANGE



डॉ. अनिकेत कदम, नांदेड (महाराष्ट्र) का आत्मिक अनुभव

ग्लोबल समिट 2025 में शामिल हुए डॉ. अनिकेत कदम ने अपने अनुभव को सांझा करते हुए कहा —

“मुझे यह कहते हुए अत्यंत खुशी हो रही है कि यह एक परिवर्तनकारी अनुभव रहा है। जब से मैंने राजयोग मेडिटेशन सीखा है, तभी से जीवन में अद्भुत शांति और स्थिरता का अनुभव हो रहा है। मेरी सहिष्णुता और शासन शक्ति में वृद्धि हुई है।”

उन्होंने आगे बताया —

“पहले किसी को क्षमा करना मेरे लिए कठिन था, लेकिन अब राजयोग के अभ्यास से यह सहज हो गया है। मैंने महसूस किया कि क्षमा केवल एक गुण नहीं, बल्कि आत्मा की महानता का प्रतीक है।”

डॉ. कदम ने अंत में कहा —

“राजयोग मेरे लिए केवल साधना नहीं, बल्कि जीवन जीने की कला है — जिसमें हर पल प्रेम, शांति और दिव्यता का अनुभव मिलता है।”

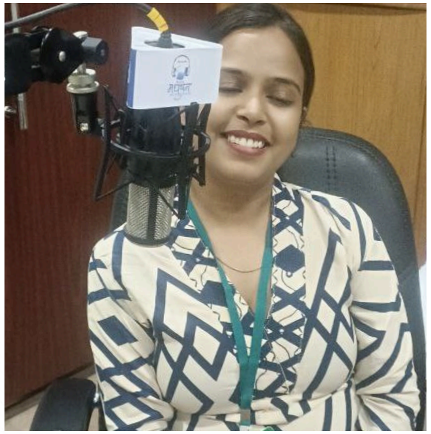




www.radiomadhuban.in

RADIO MADHUBAN 107.8 FM
POSITIVE CHANGE

स्वर्गिक अनुभूति – भिवंडी, मुंबई की तनुजा सोलंकी और सुमन सोलंकी का अनुभव



ग्लोबल समिट 2025 में भाग लेने आई तनुजा सोलंकी और सुमन सोलंकी (भायंदर, मुंबई) ने अपने हृदयस्पर्शी अनुभव सांझा किए। उन्होंने कहा —

“शांतिवन में ऐसा लगता है मानो हम धरती पर नहीं, बल्कि स्वर्ग में आ गए हों। यहाँ की दिव्य ऊर्जा, प्रेमभरा वातावरण और हर कार्य का सटीक समय पर संपन्न होना — यह सब किसी मानवीय प्रयास से नहीं, बल्कि स्वयं परमात्मा के निर्देशन से होता प्रतीत होता है।”

उन्होंने आगे कहा — “यहाँ का हर पल आत्मा को ऊँचा उठाने वाला है। हमें लगता है कि जीवन का असली अर्थ यही है — शांति में रहना, प्रेम बाँटना और परमात्मा के साथ एकाकार होना।” दोनों ने भावनाओं से भरे स्वर में कहा — “काश! हम यहीं सदा रह पाते, क्योंकि यह स्थान केवल एक तीर्थ नहीं, बल्कि आत्मा की मुक्ति और शुद्धता का द्वार है।”

उनके इन शब्दों में वही आत्मिक अनुभव झलक रहा था, जो केवल परमात्मा की निकटता में ही संभव है।



RADIO MADHUBAN 107.8 FM
POSITIVE CHANGE

ग्लोबल समिट 2025 — सलू जैन, पुष्पा और बहल्ला जी का स्वर्णिम अनुभव

“यह ग्लोबल समिट हमारे जीवन का स्वर्णिम क्षण (Golden Time) है। यह केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि आत्मा को जाग्रत करने वाली एक दिव्य अनुभूति है।”
तीनों ने बताया कि यहाँ का प्रबंधन (Management) इतना सुंदर और सुव्यवस्थित था कि हर कार्य में अनुशासन, प्रेम और निस्वार्थ सेवा की झलक दिखाई दी। प्रत्येक सेवाधारी भाई-बहन ने मुस्कुराते हुए सेवा की, जिससे ऐसा लगा मानो पूरा वातावरण ईश्वरीय ऊर्जा से ओतप्रोत हो।





यहाँ का ज्ञान मन को स्पष्ट करता है, सोच को सकारात्मक बनाता है और जीवन में एक नई दिशा देता है।” तीनों ने एक स्वर में कहा कि वे इस अनुभव को कभी नहीं भूल पाएँगे और जब भी जीवन में तनाव या भ्रम होगा, वे इस समिट की शांति और ऊर्जा को याद करेंगे।
अंत में उन्होंने भावपूर्ण शब्दों में कहा —

“ग्लोबल समिट हमारे लिए केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि ईश्वरीय स्पर्श का अनुभव है, जिसने हमारी आत्मा को नया जीवन दिया है।”

RADIO MADHUBAN 107.8 FM
POSITIVE CHANGE

ग्लोबल समिट 2025 —दिल्ली के रशीम भाई जी का स्वर्णिम अनुभव



दिल्ली के रशीम भाई पहले नशे के आदी थे, जीवन में अंधकार और निराशा थी। लेकिन जब उन्होंने ब्रह्माकुमारियों से जुड़कर राजयोग ध्यान का अभ्यास शुरू किया, तो उनका जीवन पूरी तरह बदल गया। अब वे नशामुक्त, शांत और आत्मिक आनंद से भरा जीवन जी रहे हैं।



दिल्ली के रशीम भाई पहले नशे की लत में फँसे हुए थे, लेकिन जब से उन्होंने ब्रह्माकुमारियों से जुड़कर राजयोग का अभ्यास शुरू किया, उनकी ज़िंदगी पूरी तरह बदल गई। अब वे नशामुक्त, खुशहाल और आध्यात्मिक जीवन का आनंद ले रहे हैं।

RADIO MADHUBAN 107.8 FM
POSITIVE CHANGE

स्वर्ग समान अनुभव – पुणे वारजे मालवाडी समूह का वैश्विक सम्मेलन में दिव्य अनुभव



आध्यात्मिकता के गहराई से जुड़े पुणे वारजे मालवाडी के प्रतिनिधि — रवीन्द्र चिखले, वेंकटेश गाडेवार और यू. ए. शेठे जी ने ग्लोबल समिट में अपने अद्भुत अनुभव साझा किए। उन्होंने कहा — “यह स्थान वास्तव में धरती पर स्वर्ग जैसा है। यहाँ की शांति, अनुशासन और परमात्म शक्ति का अनुभव ऐसा है कि मन करता है, यहीं बस जाएँ, यही हमारा सच्चा घर है।” उन्होंने आगे कहा कि यहाँ सब कुछ एक दिव्य व्यवस्था के अंतर्गत चलता है — समय पर हर कार्य, हर सेवा, हर अनुभूति मानो स्वयं परमात्मा द्वारा संचालित हो।

“यहाँ का वातावरण हमें यह सिखाता है कि जब हम अपने मन को ईश्वर के हवाले करते हैं, तो जीवन स्वतः ही संतुलन और समरसता में चलने लगता है।”
उनका निष्कर्ष सरल किंतु गूढ़ था —
“यह स्थान हमें केवल ज्ञान नहीं देता, बल्कि यह एहसास कराता है कि ईश्वर हमारे भीतर कार्य कर रहा है। यही सच्चा योग है, यही सच्चा स्वर्ग है।”



RADIO MADHUBAN 107.8 FM
POSITIVE CHANGE

शांति और सत्यधर्म का अद्भुत संगम – दीनेश चंद्र और विजय कुमार जायसवाल का अनुभव



रेडियो मधुबन के स्टूडियो में अपने भाव सांझा करते हुए दिनेश चंद्र जी ने कहा —
“यहाँ आकर मुझे सच्चे अर्थों में शांति का ज्ञान मिला। यहाँ विभिन्न धर्मों को समझाया जाता है और यह भी स्पष्ट होता है कि एक ही परम सत्य धर्म है — आत्मा और परमात्मा का संबंध।”



वहीं उत्तर प्रदेश से आए विजय कुमार जायसवाल जी ने अपने अनुभव को शब्दों में पिरोते हुए कहा —
“यहाँ की मुरली और ज्ञान बिल्कुल अद्वितीय हैं। ऐसी अनुभूति कहीं और नहीं मिलती। इस स्थान से मैंने सीखा कि जीवन में चाहे जो भी परिस्थिति हो, अंदर की सकारात्मकता को बनाए रखना ही सच्ची साधना है।”
दोनों ने एक स्वर में कहा कि यह ग्लोबल समिट केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि आत्म-जागरण की एक यात्रा है — जहाँ हर आत्मा अपने सच्चे स्वरूप को पहचानने लगती है।

RADIO MADHUBAN 107.8 FM
POSITIVE CHANGE

नागपुर सेंटर से आई परिवार की ग्लोबल समिट में दिव्य अनुभूति

ग्लोबल समिट 2025 में नागपुर सेंटर से पधारे एक परिवार — जिसमें दो भाई और दो बहनें शामिल थे — ने रेडियो मधुबन पर अपने हृदयस्पर्शी अनुभव सांझा किए।
उन्होंने कहा कि यहाँ आकर उन्हें ऐसा लगा मानो वे किसी दिव्य लोक में पहुँच गए हों। हर क्षण आत्मिक शांति, प्रेम और ईश्वरीय अनुभूति से परिपूर्ण था। उन्होंने विशेष रूप से अपने सेंटर की दीदी जी का धन्यवाद किया, जिन्होंने उन्हें इस अद्भुत अवसर के लिए प्रेरित किया और मार्गदर्शन दिया।
परिवार ने कहा —
“हम नहीं जानते कि दीदी जी का कितना धन्यवाद करें, क्योंकि उनके कारण ही हमें यहाँ आकर ‘ज्ञान-अमृत’ का पान करने और अमृतमय परमात्मा की अनुभूति करने का सौभाग्य मिला।”
उन्होंने यह भी बताया कि यहाँ का वातावरण, सात्विक भोजन, और सभी सेवाधारी भाई-बहनों की निस्वार्थ सेवा देखकर वे गहराई से प्रभावित हुए हैं।
अंत में उन्होंने भावुक होकर कहा कि —
“यह अनुभव हमारे जीवन का सबसे सुनहरा और पवित्र क्षण रहेगा, जिसे हम जीवनभर याद रखेंगे और इस ईश्वरीय ज्ञान को समाज में फैलाने का प्रयास करेंगे।”









RADIO MADHUBAN 107.8 FM
POSITIVE CHANGE

पुणे कोथरुड से आए रेखा देसाई, संजय देसाई और विश्राम भालचंद्र मुंगी का ग्लोबल समिट अनुभव

रेखा देसाई जी, जो पेशे से एक ब्यूटीशियन हैं और पिछले 20 वर्षों से इस क्षेत्र में कार्यरत हैं, ने बताया कि – "मुझे यहाँ आकर बहुत गहरी शांति का अनुभव हो रहा है। मैं शिवानी दीदी को इंस्टाग्राम पर फॉलो करती थी, और वहीं से मुझे ब्रह्माकुमारियों के ज्ञान से जुड़ने की प्रेरणा मिली। पहली बार जब मैं सेंटर गई, तो लगा जैसे मैं अपने घर लौट आई हूँ, और वहीं से शांतिवन आने का सौभाग्य मिला।"

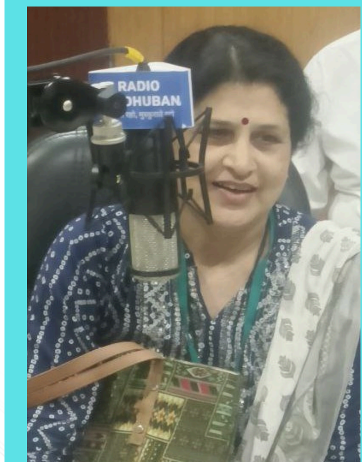
संजय देसाई जी ने अपने भाव सांझा करते हुए कहा – "मुझे ब्रह्माकुमारियों के बारे में बहुत पहले से जानकारी थी, लेकिन सीधा जुड़ाव नहीं हो पाया था। एक दिन हमारे योगा क्लास में दीदी आईं और तभी से मेरे भीतर इस दिशा में रुचि जागी। यहाँ आकर मैंने समझा कि परमात्मा एक ही हैं, और सच्ची शांति उन्हीं की याद में मिलती है। संसार की हर समस्या का समाधान परमात्मा को याद करने में ही है।"

विश्राम भालचंद्र मुंगी जी ने कहा – "मुझे यहाँ का वातावरण, स्वच्छता और शांति का कंपन (Vibration) 100% दिव्य प्रतीत हो रहा है। मैं पिछले कुछ समय से ब्रह्माकुमारियों के राजयोग पथ को फॉलो कर रहा हूँ, और उसी की बदौलत मुझे यहाँ आने का अवसर मिला। मैं शिवानी दीदी के प्रवचन भी नियमित रूप से सुनता हूँ।"

तीनों ने एक स्वर में कहा कि शांतिवन (माउंट आबू) वास्तव में एक ईश्वरीय स्थल है, जहाँ हर आत्मा को सच्ची शांति और सकारात्मक ऊर्जा का अनुभव होता है। उन्होंने सभी लोगों से आग्रह किया कि – "जीवन में एक बार अवश्य यहाँ आएँ और इस दिव्य अनुभूति को स्वयं महसूस करें।"





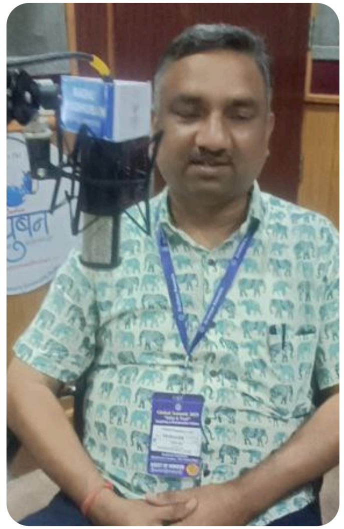


RADIO MADHUBAN 107.8 FM
POSITIVE CHANGE

हाथरस (उ.प्र.) से आए रामेश्वर जी और कमल जी का अनुभव – जीवन जीने की नई कला

रेडियो मधुबन पर अपने अनुभव सांझा करते हुए हाथरस, उत्तर प्रदेश से आए रामेश्वर जी और कमल जी ने बताया कि — "यहाँ का ओरा ही कुछ अलग है। ऐसा लगता है मानो हमें जीवन जीने की एक नई कला मिल गई हो।"

दोनों ने आगे कहा कि वे जहाँ भी कवि सम्मेलन या कविता पाठ करेंगे, वहाँ अपनी कविताओं के माध्यम से आध्यात्मिकता और ब्रह्माकुमारीज़ के संदेश को ज़रूर पहुँचाएँगे।





उन्होंने भावनाओं में कहा — "यह अनुभव हमारे लिए प्रेरणादायक रहा, जिसने हमारे जीवन को नई दिशा और अर्थ दिया है। हम बाबा और ब्रह्माकुमारी परिवार के आभारी हैं।"

हमें जीवन जीने की एक नई कला मिल गई

RADIO MADHUBAN 107.8 FM
POSITIVE CHANGE

गुजरात से आई आरती शर्मा का अनुभव – आत्मिक सुख का अमूल्य अहसास



गुजरात से पधारी आरती शर्मा ने रेडियो मधुबन पर अपने हृदयस्पर्शी अनुभव सांझा करते हुए कहा —
“यहाँ का अनुभव मैं अपने साथ हमेशा के लिए लेकर जा रही हूँ। यह कुछ अलग ही अनुभव है, जो मुझे खुशी और आत्मिक सुख दे रहा है।”
उन्होंने आगे बताया कि वे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कार्य करती हैं और उन्होंने अपने सभी साथियों को भी यह अनुभव साझा किया है, साथ ही उन्हें अपने-अपने स्थानीय ब्रह्माकुमारी केंद्रों से जुड़ने के लिए प्रेरित किया है।
आरती जी ने भावनाओं में कहा —

“यह अनुभव ऐसा है जिसे महसूस किया जा सकता है, पर शब्दों में बताया नहीं जा सकता। मैं चाहती हूँ कि मैं हमेशा गीता दीदी के सानिध्य में रहूँ ताकि यह अनुभूति जीवनभर बनी रहे।”
अंत में उन्होंने कहा —
“धन्यवाद बाबा, जिन्होंने मुझे यह अनुभव कराया और गीता दीदी को इसके लिए निमित्त बनाया।”



RADIO MADHUBAN 107.8 FM
POSITIVE CHANGE

नेपाल से आए शिक्षा अधिकारी देवेन्द्र बिष्ट का अनुभव



नेपाल से पधारे शिक्षा अधिकारी श्री देवेन्द्र बिष्ट ने ग्लोबल समिट में अपने गहरे आध्यात्मिक अनुभव सांझा किए। उन्होंने कहा —
“यहाँ आकर मैंने वास्तव में समझा कि मैं कौन हूँ और क्या हूँ। एक सरकारी अधिकारी होने के नाते अब तक मैं केवल अपनी भूमिका को देखता था, परंतु यहाँ आकर यह अनुभव हुआ कि मैं वास्तव में एक आत्मा हूँ। जो अहंकार शिक्षा अधिकारी के पद से जुड़ा था, वह यहाँ समाप्त हो गया है।”

उन्होंने आगे कहा —
“अब मैं अपनी ड्यूटी तो निभाऊँगा, लेकिन नज़रिए में बदलाव आ गया है। अब मैं समझता हूँ कि हम सब एक ही परमपिता परमात्मा के संतान हैं। इस स्वमान के साथ कार्य करते हुए, मैं आगे से सबके साथ आत्मिक भाव और प्रेमपूर्ण व्यवहार रखूँगा।”
अंत में उन्होंने कहा — “ॐ शांति — यही मेरी नई यात्रा की शुरुआत है।”



RADIO MADHUBAN 107.8 FM

POSITIVE CHANGE

ओडिशा से आए मेडिकल विशेषज्ञों का ग्लोबल समिट का अनुभव

ओडिशा से पधारे डॉ. जोगेश चन्द्र, जो सरकारी मेडिकल फैकल्टी में कार्यरत हैं, ने रेडियो मधुबन पर ग्लोबल समिट का अपना अद्भुत अनुभव सांझा किया।

उन्होंने कहा “यह सम्मेलन वास्तव में वेलफेयर और वेलबीइंग फॉर ऑल के उद्देश्य को साकार करता है। यहाँ पूरे विश्व के लोगों के लिए सामंजस्यपूर्ण जीवन *(Harmony Life)* लाने का सुंदर संदेश दिया गया है। इस आयोजन से मुझे आत्मिक शांति और प्रेरणा मिली कि कैसे हम समाज में सकारात्मक परिवर्तन ला सकते हैं।”





साथ ही, डॉ. बालकृष्ण पांडा, जो सरकारी मेडिकल सेवा से सेवानिवृत्त होकर अब आध्यात्मिक अभ्यास कर रहे हैं, ने भी अपने अनुभव सांझा किए। उन्होंने कहा —
“हमारे यहाँ ‘पहला है आत्मा और परमात्मा का क्लास’ होता है, जो हमें बहुत अच्छा लगता है। यहाँ आकर आत्मा की फास्ट चार्जिंग का अनुभव हुआ। यह एक ऐसा स्थान है जहाँ धार्मिकता (धर्मात्मा) और राजनीतिक संस्कारों का सुंदर मेल देखने को मिला।”
दोनों ने मिलकर कहा कि —
“यह ग्लोबल समिट वास्तव में विश्व कल्याण और बेहतर समाज निर्माण की दिशा में एक अंतरराष्ट्रीय प्रयास है, जिसका प्रभाव बहुत ही प्रेरणादायी है।”

RADIO MADHUBAN 107.8 FM

POSITIVE CHANGE

पुणे से आई आई टी इंजीनियर मान्या कुमारी का अनुभव – आत्म परिवर्तन की ओर कदम

पुणे से पधारी मान्या कुमारी, जो एक आईटी इंजीनियर प्रोफेशनल हैं, ने रेडियो मधुबन पर अपने ग्लोबल समिट के अनुभव सांझा करते हुए कहा —
“यहाँ आने से पहले मैंने कभी समय का ध्यान नहीं रखा — न सुबह जल्दी उठने की आदत थी, न रात को समय पर सोने की। लेकिन यहाँ आने के बाद मैंने सीखा कि जीवन में अनुशासन और आत्म-नियंत्रण का कितना महत्व है।”
उन्होंने आगे कहा —
“पहले जब किसी से गलती होती थी, तो मैं तुरंत टोक देती थी। पर अब समझ आया कि हम उसी बात को शांति और प्यार से भी समझा सकते हैं।



इससे संबंध भी मधुर रहते हैं और मन में शांति बनी रहती है।”
अंत में मान्या ने कहा —
“अब जब मैं यहाँ से वापस जाऊँगी, तो सबसे पहले खुद पर कार्य करूँगी — ताकि मैं अपने जीवन को एक आध्यात्मिक और संतुलित मार्ग पर ले जा सकूँ।”

